• जयपुर, गुरुवार 26 नवंबर 26 • वर्ष 16 • अंक 22 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

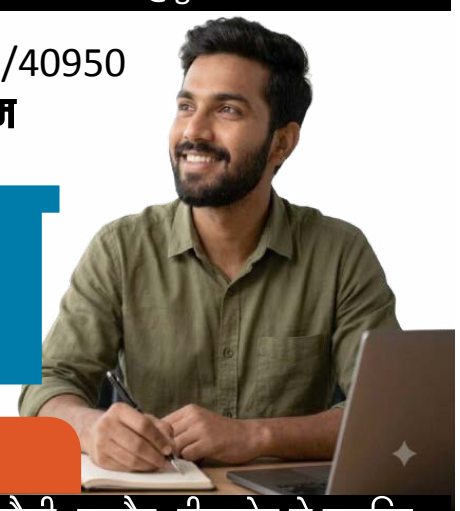

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

राजस्थान जिला प्रमुख चुनावः 24 जिलों में कांग्रेस का कब्जा, भाजपा 10 जिलों में सिमटी

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 जिला परिषदों में अपना कब्जा जमाया, जबकि भाजपा 10 जिलों में जिला प्रमुख बनाने में सफल रही। जिला प्रमुख चुनाव के परिणामों ने प्रदेश की सियासत में कांग्रेस की मजबूती का संकेत दिया है। वहीं, भाजपा ने भी कई जिलों में जीत दर्ज कर अपनी उपस्थिति बनाए रखी।

37 जिला परिषदों में हुए जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस ने अधिकांश जिलों में बाजी मारी। हालांकि, कुछ जिलों में बहुमत के समीकरणों के बावजूद राजनीतिक जोड़-तोड़ और रणनीति के चलते परिणाम बदलते नजर आए।

बहुमत के बावजूद चूरू में कांग्रेस को झटका, राजेंद्र राठौड़ की पुत्रवधू कनिका सिंह बनीं जिला प्रमुख

● जयपुर में कांग्रेस का परचम

जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस के यशवीर सुरा जिला प्रमुख निर्वाचित हुए। चुनाव में कांग्रेस ने अपने समर्थित सदस्यों के दम पर जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा जमाया।





● चूरू में बहुमत के बावजूद कांग्रेस हारी

चूरू जिला प्रमुख चुनाव में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की पुत्रवधू कनिका सिंह जिला प्रमुख निर्वाचित हुईं। कांग्रेस के पास सदस्यों की संख्या अधिक होने के बावजूद पार्टी जिला प्रमुख की कुर्सी हासिल नहीं कर सकी। इस परिणाम को चूरू की राजनीति में भाजपा की बड़ी रणनीतिक जीत माना जा रहा है।

● बाड़मेर में निकिता ईडा बनीं जिला प्रमुख

बाड़मेर में कांग्रेस की निकिता ईडा जिला प्रमुख निर्वाचित हुईं। चुनाव में कांग्रेस ने बहुमत के समीकरणों को अपने पक्ष में रखते हुए जीत हासिल की।

● 26 जिलों में महिला जिला प्रमुख

जिला प्रमुख चुनाव में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। प्रदेश के 26 जिलों में महिला जिला प्रमुख निर्वाचित हुईं। वहीं, संतोष कुमारी सबसे युवा जिला प्रमुख बनीं।

जिला प्रमुख चुनाव के परिणामों ने राजस्थान की ग्रामीण राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दिया है। कांग्रेस ने जहां 24 जिलों में जीत के साथ अपनी बढ़त साबित की, वहीं भाजपा ने 10 जिलों में जिला प्रमुख बनाकर अपनी राजनीतिक रणनीति का प्रदर्शन किया।

न्यूज अपडेट

ममता हुई शर्मसार!

पति से नाराज मां ने दो बेटियों की गला घोंटकर की हत्या

मोतिहारी/एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी ही दो मासूम बेटियों की गला घोंटकर हत्या कर दी। मृतक बच्चियों की उम्र 13 और 11 साल बताई जा रही है। आरोप है कि पति के रात में घर नहीं लौटने से नाराज महिला ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। इतना ही नहीं, उसने अपनी तीसरी बेटी की भी जान लेने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह मौके से भाग निकली और उसकी जान बच गई।

घटना पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सेमुआपुर गांव की है। एक ही घर में दो सगी बहनों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शुरुआत में बच्चियों की मौत संदिग्ध मानी जा रही थी। उनके मुंह से झाग निकलने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने जहर दिए जाने समेत अन्य पहलुओं से जांच शुरू की।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन में हिरासत का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों, वकीलों और पत्रकारों को कथित रूप से गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लेने के मामले में केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत ने दोनों सरकारों से इस संबंध में विस्तृत जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बुधवार को प्रदर्शनकारियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। अदालत ने दोनों सरकारों को 10 दिनों के भीतर अपना पूरा जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही, याचिकाकर्ताओं को सरकारों के जवाब पर अपना पक्ष रखने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि हिरासत से संबंधित कुछ याचिकाओं में ही अब तक हलफनामे दाखिल किए गए हैं।

मोदी कैबिनेट का फैसला :

निर्माण उपकरण उद्योग के लिए 11 हजार करोड़ की योजना मंजूर

डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए 1,141 करोड़ रुपये की योजना को भी मिली मंजूरी, पांच वर्षों में होगा क्रियान्वयन

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश के निर्माण एवं बुनियादी ढांचा उपकरण विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 11 हजार करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही असम के सिलचर में नए हवाई अड्डे के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना पर 2,014 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बैठक में डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए 1,141 करोड़ रुपये की योजना को जारी रखने का निर्णय भी लिया गया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि निर्माण एवं बुनियादी ढांचा उपकरण विनिर्माण को प्रोत्साहन देने वाली योजना आठ वर्षों तक लागू रहेगी। इसका क्रियान्वयन वित्त वर्ष 2026-27 से 2033-34 तक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भारत का निर्माण एवं बुनियादी ढांचा उपकरण उद्योग दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है। वित्त वर्ष 2024-25 में इसका बाजार आकार करीब 97 हजार करोड़ रुपये था। हालांकि, इस क्षेत्र की लगभग 45 प्रतिशत जरूरतें आयात के माध्यम से पूरी की जाती हैं। नई योजना का उद्देश्य अत्याधुनिक उपकरणों के घरेलू विनिर्माण की क्षमता विकसित करना और वैश्विक बाजार में भारत की भागीदारी तथा स्थिति को मजबूत करना है।

इस योजना के दायरे में उपकरणों की सात ऐसी श्रेणियां शामिल की गई हैं, जिनका पूरी तरह या बड़े पैमाने पर आयात किया जाता है।

सिलचर में बनेगा नया हवाई अड्डा



मजबूत सुधारों और निवेश से आकार ले रहा विकसित भारत 2047 : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि विकसित भारत 2047 यात्रा मजबूत सुधारों और मुख्य सेक्टर्स में निवेश से आकार ले रही है। पीएमओ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन के एक लेख का जिक्र किया। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे बुनियादी ढांचे में निवेश, जीएसटी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कॉर्पोरेट टैक्स में सुधार, पीएलआई योजनाओं और व्यापार समझौतों के जरिए विकास की नींव रखी गई है। पोस्ट में आगे कहा कि



भारत की आर्थिक क्षमता को स्थायी समृद्धि में बदलने के लिए सरकार और उद्योग जगत को टीम भारत के रूप में मिलकर काम करना चाहिए।

आर. मुकुंदन ने एक प्रमुख वित्तीय दैनिक समाचार पत्र में एक लेख लिखा। इसमें उन्होंने कल्पना की है कि अगस्त 2047 में, भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष पर, सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) के अध्यक्ष क्या लिखेंगे। साथ ही, उन्होंने एक विकसित भारत तक पहुंचने के लिए जरूरी रोडमैप भी पेश किया है।

मुकुंदन भारत को एक उच्च-आय वाले देश के रूप में देखते हैं, जहां मैन्युफैक्चरिंग का कुल उत्पादन में 25 प्रतिशत योगदान हो, औपचारिक रोजगार और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, और भारतीय कंपनियां सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा तथा फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी हों।

शेख हसीना की वापसी के एलान से बांग्लादेश में टेंशन

27-28 नवंबर को लॉकडाउन का ऐलान; समर्थकों की 8 मांगें

ढाका/एजेंसी

बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्वदेश वापसी के ऐलान के बाद राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है. उनकी पार्टी आवामी लीग 27 नवंबर और 28 नवंबर को देशव्यापी लॉकडाउन बुलाने की घोषणा की है. पार्टी ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार के सामने 8 प्रमुख मांगे रखी हैं. जैसे- आवामी लीग पर लगा प्रतिबंध हटाए जाएं, राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाए और शेख हसीना और उनकी पार्टी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाए.

आवामी लीग के प्रवक्ता सैयद मुजम्मिल अली के अनुसार, शेख हसीना 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने की प्लानिंग कर रही हैं. ये तारीख देश के विजय दिवस की वर्षगांठ हैं. साल 1971 में 16 दिसंबर को ही पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था. इसी दिन बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का अंत हुआ था. हसीना के वापसी के ऐलान के बाद देश में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है.

अवामी लीग ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का फैसला किया है. पार्टी ने 27 और



28 नवंबर को पूरे देश में फुल लॉकडाउन का आ''ान किया है. इससे पहले मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने मशाल जुलूस निकाला और बुधवार से प्रदर्शन तेज करने की बात कही. पार्टी का कहना है कि उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है. वहीं, बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों से हिंसा, तोड×फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आने से हालात और संवेदनशील हो गए हैं. शेख हसीना के गृह जिले गोपालगंज में भी तनाव की खबरें सामने आई हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को अवामी लीग कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ और जिले में 12 दुकानों में तोड×फोड़ की गई. क्रिकेट स्टेडियम के पास स्थित फूलों की दुकानों को भी निशाना बनाए जाने की खबर है.

16 दिसंबर तक बांग्लादेश पर कब्जा कर लेंगे', बंगाल के मंत्री का बड़ा बयान

कोलकाता/एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों और हत्याओं को लेकर भारत में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस बीच पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन मंत्री अर्जुन सिंह ने एक विवादित बयान देकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि 16 दिसंबर तक बांग्लादेश पर कब्जा कर लिया जाएगा और वहां हिंदुओं की हत्याओं का बदला लिया जाएगा।

मंगलवार को काकिनारा में गंगा आरती के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए अर्जुन सिंह ने कहा, 'हम 16 दिसंबर तक बांग्लादेश पर कब्जा कर लेंगे। अब बहुत हो चुका है। बांग्लादेश के मामले में अब कोई बहाना नहीं चलेगा। वहां जिस तरह से हिंदुओं की हत्या की गई है, हम उसका बदला जरूर लेंगे। इसमें कोई शक नहीं है।'

इंग मनी हिंद महासागर के लिए बड़ा खतरा, मिलकर रोकना होगा : एनएसए अजित डोभाल

माले/नई दिल्ली/एजेंसी।

मालदीव की राजधानी माले में बुधवार को कोलंबो सिक्योरिटी काउंसिल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 8वीं बैठक आयोजित की गई। इसमें भारत के एनएसए अजित डोभाल ने हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और साझा विरासत पर जोर दिया। ड्रग तस्करी को लेकर फिक्र जाहिर जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका, मालदीव समेत अन्य



देशों के साथ जानकारी साझा कर इस पर काम कर रहा है और अब इस सहयोग को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव की यात्रा में योगदान देने वाले सभी सदस्य देशों का धन्यवाद किया। डोभाल ने कहा, हमने एक शुरुआती विचार से शुरुआत की थी कि हिंद महासागर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, हमारी आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र के लोगों के हितों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, सभी के सहयोग से आज इस मंच के पास अपना सचिवालय है, अपने महासचिव हैं और आने वाले समय में इसे और आगे ले जाने की उम्मीद है। हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय देश एक साझा समुद्री क्षेत्र साझा करते हैं और एक सभ्यतागत विरासत से जुड़े हैं जो लंबे इतिहास में आकार ले चुकी है। हमारी परंपरा हमें समुद्र के माध्यम से जोड़ती है, बांटती नहीं।

डोभाल ने याद दिलाया कि नवंबर 2020 में कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव का गठन हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षा और स्थिरता के सामूहिक विजन के साथ किया गया था। उन्होंने कहा, संगठनात्मक जड़ें जमाने के साथ-साथ सीएससी को एक एक्शन-ओरिएंटेड मंच में बदला गया है।

राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय : सीएम योगी

लखनऊ/एजेंसी।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय आ रहा है। मथुरा में राधे-राधे, अयोध्या में जय श्रीराम और काशी में हर-हर महादेव आस्था के अनुरूप अभिवादन हैं। अंतिम विदाई के दौरान राम नाम सत्य कहा जाता है। अखिलेश यादव के अयोध्या जाने पर उन्होंने कहा कि दो नावों की सवारी करने वाले डूबते हैं। यदि नब्बे के दशक में सपा नेतृत्व को सद्बुद्धि आई होती तो रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलतीं। अब उन्हें



रामभक्तों और हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री बुधवार को एक साक्षात्कार में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने सपा के पीडीए को परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी बताते हुए कहा कि उसकी राजनीति परिवार तक सीमित है। भाजपा का मतदाता प्रत्येक राष्ट्रवादी नागरिक है, जो संविधान और विरासत का सम्मान करता है। उनकी किसी से व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। देश और समाज के सामने चुनौती आने पर उसका सामना करना संन्यासी का दायित्व है। सपा-कांग्रेस गठबंधन चुनाव से पहले ही विफल हो चुका है। एक ओर बैठकें चल रही हैं, दूसरी ओर प्रत्याशी घोषित हो रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि दोनों दलों ने प्याज भी खाया और जूता भी। भाजपा और एनडीए के सहयोगी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशियों का चयन पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया से होगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा विदेशी घुसपैठियों को अपना मानती है जबकि भारतीय नागरिकों पर सवाल उठाती है।

26 नवंबर : संविधान दिवस पर विशेष आलेख

भारत के संविधान की 76 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और 106 संविधान संशोधन

संविधान की मूल भावना से विकसित भारत के संकल्प तक की यात्रा

लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय एकता और परिवर्तन की ऐतिहासिक गाथा

चमकता राजस्थान

-वासुदेव देवनानी- भारतीय संविधान विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के स्वाभिमान और अस्मिता की पवित्र पाण्डुलिपि है। हमारे देश का संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की आत्मा, लोकतांत्रिक चेतना, स्वतंत्रता का मूल्य और करोड़ों नागरिकों के भविष्य का विश्वास है। यह संविधान एक ओर हमें कई अधिकार देता है, तो दूसरी तरफ़ हमें अपने कर्तव्यों का बोध भी कराता है, यह सत्ता को मर्यादित करता है और राष्ट्र को न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुता के आदर्शों पर आगे बढ़ने की दिशा प्रदान करता है। भारत का संविधान विश्व के सबसे विस्तृत लिखित संविधानों में से एक है, जिसकी विशेषता केवल व्यापकता नहीं, बल्कि इसमें समय के अनुरूप परिवर्तन स्वीकार करने की अद्भुत क्षमता भी है।

26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारत का संविधान अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया। 26 जनवरी 1950 को इसके लागू होने के साथ ही भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना। संविधान निर्माण की प्रक्रिया में डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और संविधान सभा के अनेक सदस्यों ने जिस दूरदृष्टि, विचारशीलता और राष्ट्रभाव का परिचय दिया, उसने भारत को लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार प्रदान किया। संविधान निर्माताओं ने ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें विविध भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, परंपराओं और सामाजिक परिस्थितियों के बावजूद प्रत्येक नागरिक एक समान राष्ट्रीय पहचान के साथ आगे बढ़ सके।

भारतीय संविधान की 76 वर्षों से भी अधिक समय की यह गौरवशाली यात्रा केवल उसकी मूल संरचना तक सीमित नहीं है। समय, काल परिस्थितियों, सामाजिक और आर्थिक हालातों और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप इसमें अब तक 106 संविधान संशोधन किए जा चुके हैं। यह संख्या संविधान की जीवंतता, लोकतांत्रिक विकास और परिवर्तनशील भारत की संवैधानिक चेतना का प्रमाण है।

संविधान संशोधन : परिवर्तन और प्रगति का संवैधानिक मार्ग

संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान संशोधन की शक्ति प्रदान करता है। यह शक्ति राष्ट्र की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने का माध्यम है, लेकिन इसकी भी संवैधानिक मर्यादा है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित मूल संरचना सिद्धांत स्पष्ट करता है कि संसद संविधान में परिवर्तन कर सकती है, लेकिन उसकी मूल आत्मा को नष्ट नहीं कर सकती।

प्रथम संविधान संशोधन, 1951 ने भूमि सुधारों और सामाजिक परिवर्तन को संवैधानिक संरक्षण प्रदान किया। सातवें संशोधन, 1956 ने राज्यों के पुनर्गठन की प्रक्रिया को नई दिशा दी। 24वें संशोधन ने संसद की संविधान संशोधन शक्ति को स्पष्ट किया। 42वाँ संशोधन, 1976 भारतीय संवैधानिक इतिहास का व्यापक परिवर्तनकारी अध्याय रहा, जिसके माध्यम से प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता संबंधी शब्द जोड़े गए तथा नागरिकों के मूल कर्तव्यों को संविधान में शामिल किया गया। आपातकाल के बाद 44वें संशोधन, 1978 ने नागरिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए। इस संविधान संशोधन ने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता में किसी भी पार्टी का राज क्यों न आ जाए लेकिन भविष्य में कोई सरकार इमरजेंसी यानी आपातकाल जैसे कदम उठा कर लोकतन्त्र का हनन नहीं कर पायेगी ।

संविधान संशोधनों की श्रृंखला में 52वें संशोधन से दल-बदल विरोधी कानून लागू हुआ, 61वें संशोधन से मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई तथा 73वें और 74वें संशोधन से पंचायतों और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा देकर लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक पहुंचाया गया। 86वें संविधान संशोधन ने 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया। इन परिवर्तनों ने संविधान को आम नागरिक के जीवन से अधिक गहराई से जोड़ा।

अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल : शिक्षा, सामाजिक समावेशन और राजनीतिक स्थिरता

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल संवैधानिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। उनके नेतृत्व में शिक्षा, राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक प्रतिनिधित्व और भाषाई सम्मान से संबंधित कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। 86वाँ संविधान संशोधन, 2002 शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम था। अनुच्छेद 21-क के माध्यम से 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया गया। यह निर्णय केवल शिक्षा नीति का परिवर्तन नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ी को समान अवसर, सामाजिक



न्याय और आत्मनिर्भरता प्रदान करने का राष्ट्रीय संकल्प था।

91वें संविधान संशोधन, 2003 ने मंत्रिपरिषद के आकार पर सीमा निर्धारित कर राजनीतिक स्थिरता, जवाबदेही और शासन में मर्यादा स्थापित करने का प्रयास किया। दल-बदल संबंधी प्रावधानों को भी अधिक प्रभावी बनाया गया। 92वें संविधान संशोधन के माध्यम से बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। यह भाषाई विविधता, सांस्कृतिक पहचान और भारतीय परंपराओं के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था।

अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल की संवैधानिक दृष्टि में लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा, सामाजिक समावेशन और राष्ट्र की विविधता को स्वीकार करते हुए एकता स्थापित करने का भाव प्रमुख था। उनके दौर के संशोधनों ने शिक्षा, राजनीतिक व्यवस्था और भाषाई अधिकारों को संवैधानिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ा।

नरेंद्र मोदी का नेतृत्व : संवैधानिक विकास और नए भारत के परिवर्तनकारी अध्याय

वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संवैधानिक यात्रा में अनेक महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़े। राष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक संघवाद, सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के अधिकार, महिला सशक्तीकरण और प्रतिनिधित्व से संबंधित विषयों पर संसद ने महत्वपूर्ण संवैधानिक परिवर्तन किए। 99वाँ संविधान संशोधन राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की स्थापना से संबंधित था, जिसका उद्देश्य न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में व्यापक संस्थागत भागीदारी सुनिश्चित करना था। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया। यह निर्णय संसद की संशोधन शक्ति और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के बीच संवैधानिक संतुलन का महत्वपूर्ण उदाहरण बना।

100वाँ संविधान संशोधन, 2015 भारत-बांग्लादेश भूमि सीमा समझौते के क्रियान्वयन से संबंधित था। सीमा क्षेत्रों में एन्क्लेव की समस्या और लंबे समय से चली आ रही नागरिक कठिनाइयों का समाधान कर राष्ट्रीय एकीकरण तथा सीमावर्ती नागरिकों को स्थिरता प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया। 101वाँ संविधान संशोधन, 2016 वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी लागू करने का संवैधानिक आधार बना। इसने देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन करते हुए केंद्र और राज्यों के बीच साझा आर्थिक व्यवस्था को संस्थागत स्वरूप दिया। जीएसटी परिषद सहकारी संघवाद का महत्वपूर्ण मंच बनी, जहां केंद्र और राज्य मिलकर कर नीति और आर्थिक व्यवस्था से संबंधित निर्णय लेते हैं। यह एक साझा राष्ट्रीय बाजार और आर्थिक एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल थी।

102वें संविधान संशोधन, 2018 के माध्यम से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। 103वें संशोधन, 2019 ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। यह आर्थिक आधार पर अवसरों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने 2022 में बहुमत से वैध माना।104वें संविधान संशोधन ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण की अवधि 2030 तक बढ़ाई, जबकि एंग्लो-इंडियन समुदाय के नामांकन की विशेष व्यवस्था को आगे जारी नहीं रखा गया।105वें संविधान संशोधन, 2021 ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने प्रयोजनों के लिए सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की सूची तैयार करने की शक्ति स्पष्ट रूप से पुनर्स्थापित की। यह संघीय व्यवस्था, सामाजिक न्याय और राज्यों की क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता का महत्वपूर्ण उदाहरण है।106वाँ संविधान संशोधन, 2023 अर्थात नारी शक्ति वंदन अधिनियम, भारतीय लोकतंत्र में महिला प्रतिनिधित्व की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन है। इसके अंतर्गत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए लगभग एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया। यह महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी, नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में दूरगामी संवैधानिक पहल है।हालांकि इसका वास्तविक क्रियान्वयन निर्धारित जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा है।

अनुच्छेद 370 : राष्ट्रीय एकात्मता का ऐतिहासिक अध्याय

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 के विशेष प्रावधानों को प्रभावहीन करने का निर्णय भारतीय संवैधानिक इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय बना है। राष्ट्रपति के संवैधानिक आदेशों और संसद द्वारा पारित जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक संबंधों में व्यापक परिवर्तन किए गए तथा तत्कालीन राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया। यह निर्णय राष्ट्रीय एकता, संवैधानिक एकरूपता और प्रशासनिक पुनर्गठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। दिसंबर 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस परिवर्तन को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया। यह घटनाक्रम भारत की संघीय व्यवस्था और राष्ट्रीय एकात्मता के संवैधानिक विमर्श का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

भारत में चुनावों के माध्यम से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण हमारें लोकतन्त्र की विशेषता

भारत में चुनावों के माध्यम से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण हमारी लोकतांत्रिक परंपरा की बड़ी उपलब्धि है। जनता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सरकार चुनती है और समय आने पर उसे बदल भी सकती है। यह व्यवस्था तभी मजबूत बनी रह सकती है, जब नागरिक स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चुनाव में भागीदारी, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और संवैधानिक मर्यादाओं का सम्मान लोकतंत्र को स्थायित्व प्रदान करते हैं।

हमारा लोकतंत्र इस बात का प्रमाण है कि भारत में सत्ता परिवर्तन का आधार जनादेश है, न कि हिंसा, बल प्रयोग या असंवैधानिक तरीके। इस गौरवशाली परंपरा को बनाए रखना हर नागरिक का साझा दायित्व है।

संविधान दिवस : अधिकारों के साथ कर्तव्यों का संकल्प

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर वर्ष 2015 से 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की आधिकारिक परंपरा प्रारंभ हुई। इसका उद्देश्य संविधान के प्रति नागरिक जागरूकता बढ़ाना, संविधान सभा के योगदान को स्मरण करना और नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ना है। संविधान दिवस हमें केवल अपने अधिकारों की ही याद नहीं दिलाता, बल्कि राष्ट्र, समाज और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध भी कराता है। भारत के संविधान की गौरवशाली यात्रा में 106 संशोधनों तक पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि हमारा लोकतंत्र समय के साथ विकसित हुआ है। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में शिक्षा, भाषाई सम्मान और राजनीतिक स्थिरता से जुड़े महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए, वहीं प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक संघवाद, सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के अधिकार और महिला प्रतिनिधित्व से जुड़े नए अध्याय जुड़े। संविधान की सफलता संशोधनों की संख्या में नहीं, बल्कि उनके प्रभाव में निहित है। जब गरीब को न्याय मिले, युवा को अवसर मिले, महिला को सम्मान और प्रतिनिधित्व मिले, शिक्षा प्रत्येक बच्चे तक पहुंचे, राज्यों की भागीदारी मजबूत हो और नागरिकों का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास बढ़े—तभी संविधान की वास्तविक भावना साकार होती है। भारत का संविधान हमारी विरासत, वर्तमान की शक्ति और भविष्य का मार्गदर्शक है। इसकी यात्रा हमें सिखाती है कि परिवर्तन आवश्यक है, लेकिन संवैधानिक मर्यादा सर्वोपरि है; विकास आवश्यक है, लेकिन न्याय के बिना अधूरा है; लोकतंत्र आवश्यक है, लेकिन नागरिक सहभागिता के बिना निर्बल है।

राजस्थान विधानसभा की संविधान दीर्घा को संवैधानिक चेतना का प्रेरक माध्यम बनाने का प्रयास

संविधान के प्रति जन-जागरूकता बढ

आज का राशिफल

मेष राशि

आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज का दिन आपके जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। इस राशि के बच्चों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात हो सकती है। आज आप नई योजनाओं पर नए तरीके से काम करेंगे। घर पर धार्मिक आयोजन करने का मन बना सकते हैं। अगर आप कोई इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आज आपकी सफलता के योग बन रहे हैं। आज जीवनसाथी की छोटी-छोटी गलतियों को नजरंदाज कर देना आपके रिश्ते को बेहतर बनायेगा।

वृष राशि

आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं, आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा फायदा होगा। मेहनत और लगन देखकर आज आपके जूनियर आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे। आपको तली-भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए।

मिथुन राशि

आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आपको जीवन में आगे बढने के लिए नई योजनाएं बनानी चाहिए। अपना और अपने जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखे। कुछ छिपे विरोधी आपके काम में अड़चने डालेंगे परन्तु आप का पॉजिटिव अप्रोच आपको मजबूत बनाये रखेगा। लाइब्रेरियन की सैलेरी मे इंक्रीमेंट होने के योग हैं। महिलाओं को कोई बिजनेस शुरू करने में घर वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क राशि

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में आपको लाभ मिलेगा। अगर नया बिजनेस स्टार्ट करना चाहते हैं तो पहले उसके बारे में अच्छे से जानकारी कर लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप कार सीखने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जो छात्र विज्ञान में रुचि रखते हैं, उनका दिन अच्छा रहेगा। आपको किसी प्रोजेक्ट में सफलता मिलेगी। विरोधी पक्ष से सावधान रहना आपके लिए अच्छा रहेगा। महिलायें आज घर के कार्यों में व्यस्त रहेंगी।

सिंह राशि

आज आप अपने दिन की शुरुआत प्रसन्नता पूर्वक होगी। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी। बिल्डर्स के लिए आज का दिन अच्छा है, नये कॉन्ट्रैक्ट से बड़ा मुनाफा होगा। किसी सामाजिक समारोह में आपकी भागीदारी होगी। अपने घर को फेस्टिवल के अकोर्डिंग डेकोरेट करवा सकते हैं, घर में सुख सम्रद्धि बनी रहेगी। आज कोई दोस्त आपसे मिलने घर आयेगा जिससे अपनी पर्सनल बातें डिस्कस करेंगे।

कन्या राशि

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज काम पूरा करने में आपको किसी सहयोगी की मदद मिलेगी। आपके करियर में अचानक बदलाव आयेगा, जिससे आपको धन लाभ होगा। आज आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। कोई करीबी रिश्तेदार आपकी शादी के लिए बात कर सकते हैं। अपनी स्किल पर ज्यादा से ज्यादा काम करें आपको भविष्य में इसका अच्छा लाभ मिलेगा। जो लोग कार कलेक्शन में रुचि रखते हैं, वो नयी कार खरीदेंगे।

तुला राशि

आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। आपके काम में माता-पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। आपको अपने बच्चों के सफलता से खुशी मिलेगी, बच्चों में भी उत्साह बना रहेगा। आज आपका सोशल नेटवर्क मजबूत रहेगा। अपने बिजी शेड्यूल से थोडा समय ईश्वर की पूजा पाठ के लिए निकालें मन शांत रहेगा। महिलाएं आज अपने घर के कामों में व्यस्त रहेंगी। आज आप लोगों को अपनी बातों से प्रभावित करने में सफल होंगे।

वृश्चिक राशि

आज आपका दिन आपके जीवन मे नया बदलाव लेकर आएगा। आज आप किसी दोस्त के घर डिनर के लिए जायेंगे, जहां मस्ती का माहौल रहेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे। आर्थिक रूप से आज आपको सफलता मिलेगी। मार्केट से आज कुछ नए प्रोडक्ट खरीद सकते हैं। आज आपका काम बेहतर ढंग से पूरा होगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगेगा।

धनु राशि

आज आपका आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको कोई भागदौड़ वाला काम करना पड़ सकता हैं। अपने काम को सरल बनाने के लिए आप नई तकनीकों का सहारा लेंगे। सेल्समैन को आज किसी क्लाइंट से अच्छा लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए कहीं बाहर घूमने जायेंगे। लोगों को तेजी से परखने की क्षमता आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। आज आपके बच्चे डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं। एजुकेशन सेक्टर में काम कर रहे लोगों के लिए आज का दिन व्यस्तता भरा होगा।

मकर राशि

आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। इस राशि के विवाहित किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जायेंगे। बिजनेस के काम में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग मूर्ति के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा। राइटर आज कोई नई स्टोरी लिखने का मन बनायेंगे, जिसे लोगों द्वारा पसंद किया जायेगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कुम्भ राशि

आपका दिन मिला-जुला रहने वाला हैं। परिवार के साथ मंदिर में दर्शन के लिए जायेंगे। आज आप दोस्तों के साथ मॉल घूमने जायेंगे और साथ मे शॉपिंग भी करेंगे। इंजीनियरिंग कर रहे स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है। कॉम्पिटीशन की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स को शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा सीखने को मिलेगा। आज आपकी सेहत अच्छी रहने वाली है। आय के अलग-अलग स्त्रोत मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। लवमेट आज कहीं घूमने जायेंगे।

मीन राशि

आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज आपके सभी काम समय पर पूरे होंगे, काम के नए टारगेट बनायेंगे। आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जायेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के मान-सम्मान में इजाफा होगा और पार्टी में उनको कोई उच्च पद भी मिलेगा। इस राशि के जो लोग जॉब की तलाश में हैं, उन्हें आज जॉब मिलने के आसार हैं। आज आत्मनिर्भर होकर फैसले करने से काम बनेगा।

सू- दोकू क्र.59

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.58 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -59

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

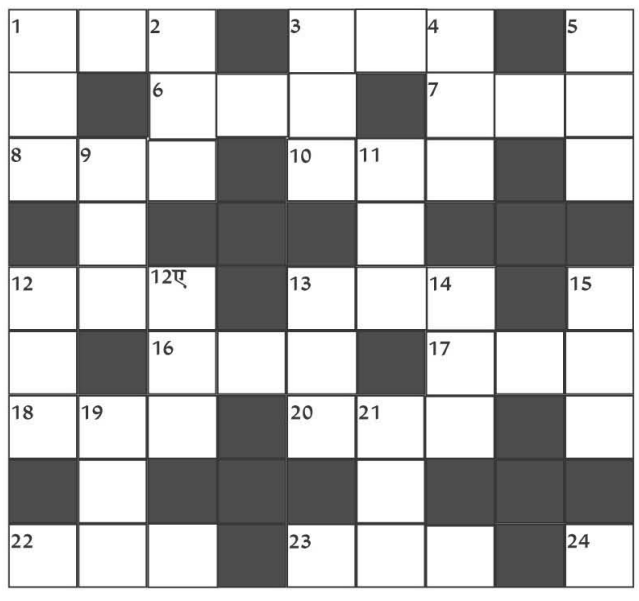

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 58 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस का दबदबा, 37 में से 24 जिलों में जीत का दावा

रामेश्वर खिलेरी/जयपुर। राजस्थान में जिला प्रमुख चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद प्रदेश की सियासत में कांग्रेस का दबदबा देखने को मिला है। 37 जिलों के जिला प्रमुख चुनाव परिणामों में कांग्रेस ने 24 जिलों में जीत दर्ज कर मजबूत राजनीतिक प्रदर्शन किया है। वहीं भाजपा सहित अन्य दलों को अपेक्षाकृत कम सफलता मिली है। कांग्रेस समर्थकों में जीत को लेकर उत्साह का माहौल है। सोशल मीडिया पर 'जय कांग्रेस, तय कांग्रेस' के नारे भी गूंज रहे हैं।

जारी परिणामों के अनुसार कांग्रेस ने प्रदेश के कई प्रमुख जिलों में जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा जमाया है। इनमें जयपुर से यशवीर सूरा, जोधपुर से प्रमिला चौधरी, अलवर से अनिता मीणा, सीकर से सुनीता गठाला और बीकानेर से निकिता डूडी जिला प्रमुख निर्वाचित हुई हैं। इसके अलावा भरतपुर से रेनू वाला, धौलपुर से अनीशा सिंह, राजसमंद से सुंदर देवी कीर, दौसा से बीना बैरवा और ब्यावर से ममता गुर्जर ने जीत हासिल की है। कोटपूतली-बहरोड़ से रामनिवास, चित्तौड़गढ़ से रतनी देवी और भीलवाड़ा से कैलाश चंद मीणा जिला प्रमुख बने हैं।

पश्चिमी राजस्थान में भी कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली है। बाड़मेर से गफूर अहमद, जैसलमेर से संतोष कुमारी, फलोदी से यशवंत कंवर, जालोर से आसूराम देवासी और सिरोही से गुमान सिंह ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही सवाई माधोपुर से आशा देवी, सलूंबर से पुष्पा देवी, टोंक से अलका बैरवा, बूंदी से हंसा गुर्जर, हनुमानगढ़ से रेणू तथा झुंझुनूं से कोमल भंवरिया जिला प्रमुख निर्वाचित हुई हैं।

- **24 जिलों में जीत से कांग्रेस उत्साहित**

इन परिणामों को कांग्रेस के लिए प्रदेश में राजनीतिक मजबूती के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। जिला प्रमुख चुनाव में मिली सफलता से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। वहीं भाजपा और अन्य दलों के लिए ये नतीजे राजनीतिक मंथन का विषय बन सकते हैं। हालांकि सभी 37 जिलों के परिणामों और दलवार स्थिति के आधिकारिक आंकड़ों का मिलान महत्वपूर्ण रहेगा।

देवली पाबूजी में बुजुर्ग महिला से लूट, सोने के जेवर व 12 हजार नकदी लेकर फरार बदमाश

- **सर्दी शुरू होते ही चोर सक्रिय, रानी थाना क्षेत्र में बढ़ती वारदातों से ग्रामीणों में भय**



चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल रानी। रानी पुलिस थाना क्षेत्र के गांवों में चोरी व लूट की वारदातें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। मंगलवार शाम देवली पाबूजी गांव में अज्ञात बदमाशों ने करीब 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को निशाना बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश महिला के सोने के जेवर व नकदी लूटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, देवली पाबूजी निवासी वनी देवी पत्नी वनाराम, उम्र करीब 70 वर्ष, मंगलवार शाम वेरा हनुमानजी वाला के पास अकेली थीं। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने मौका पाकर उनके गले की कंठी, नाक की सोने की बाली, टोपिस, करोलिया सहित करीब 12 हजार रुपये नकद लूट लिए। वारदात के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

क्षेत्र में लगातार चोरी व लूट की घटनाएं सामने आने से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। आसपास के गांवों में भी पूर्व में ऐसी वारदातें हो चुकी हैं, लेकिन कई मामलों का खुलासा नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। सर्दी का मौसम शुरू होते ही चोरों की सक्रियता बढ़ने से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने तथा पूर्व में हुई चोरी की वारदातों का खुलासा कर बदमाशों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

वर्ष 2023 में थे केवल 12 चैप्टर, पिछले तीन वर्षों में 39 नए बनाए

देश-विदेश में बढ़ा राजस्थान फाउंडेशन का दायरा, अब 51 चैप्टर

अब न्यूयॉर्क से ऑकलैंड और दिल्ली से तिरुवनंतपुरम तक फैला प्रवासी राजस्थानी चैप्टर नेटवर्क

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए पिछले 3 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी क्रम में प्रवासियों के लिए नए विभाग का गठन, राजस्थान फाउंडेशन द्वारा नए चैप्टर का गठन, जिलों में प्रवासी प्रकोष्ठ का गठन, प्रवासी राजस्थानी दिवस, प्रवासियों के साथ निरंतर संवाद, देश-विदेश में प्रवासी मीट सहित कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान फाउंडेशन का नेटवर्क अब 51 चैप्टर तक विस्तारित हो गया है। इनमें 25 राष्ट्रीय और 26 अंतरराष्ट्रीय चैप्टर शामिल हैं। वर्ष 2023 में राजस्थान फाउंडेशन के केवल 12 चैप्टर थे, जो भी क्रियाशील नहीं थे। इन सभी को क्रियाशील करने के साथ ही पिछले तीन वर्षों में 39 नए चैप्टर बनाए गए हैं।

- **28 नए चैप्टर गठित, 11 के गठन की प्रक्रिया शुरू**

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के साथ जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए नए चैप्टर का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 16 अक्टूबर, 2026 को प्रवासी राजस्थानी संवाद कार्यक्रम के दौरान 11 नए चैप्टर गठित करने की घोषणा की थी। इन सभी चैप्टर के गठन तथा अध्यक्षों के मनोनयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 के अवसर पर 14 नए चैप्टर गठित करने की घोषणा की थी। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा अब इन सभी 14 चैप्टर का गठन कर इन्हें क्रियाशील कर दिया गया है। इनमें 9 अंतरराष्ट्रीय और 5 राष्ट्रीय चैप्टर शामिल हैं। साथ ही, 14 नए चैप्टर्स का पूर्व में ही गठन किया जा चुका है।

राजस्थान फाउंडेशन के इस विस्तार से विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद, समन्वय और सहभागिता को नई गति मिलेगी। इससे प्रवासी



समुदाय को राज्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और निवेश संबंधी विकास कार्यों से जोड़ने में भी मदद मिलेगी। इन चैप्टर के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के बीच मजबूत नेटवर्क विकसित होगा। इससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान, निवेश प्रोत्साहन, कौशल एवं तकनीकी सहयोग, शिक्षा, पर्यटन तथा समाजसेवा के क्षेत्रों में नई संभावनाओं का विस्तार होगा।

- **26 अंतरराष्ट्रीय चैप्टर**

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), मनामा (बहरीन), कुवैत सिटी (कुवैत), मस्कट (ओमान), कुआलालंपुर (मलेशिया), बैंकॉक (थाईलैंड), हांगकांग, ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), टोरंटो (कनाडा), दुबई (संयुक्त अरब अमीरात), दोहा (कतर), रियाद (सऊदी अरब), लंदन (यूनाइटेड किंगडम), न्यूयॉर्क (अमेरिका), सिंगापुर, टोक्यो (जापान), मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया), काठमांडू (नेपाल), कंपाला (युगांडा), म्यूनिख (जर्मनी) और नैरोबी (केन्या) में चैप्टर क्रियाशील हैं। इसके अतिरिक्त सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका), ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड), मिलान (इटली), डबलिन (आयरलैंड) और नॉर्डिक (स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे और फिनलैंड) में नए चैप्टर्स की घोषणा की जा चुकी है।

- **25 राष्ट्रीय चैप्टर**

देश में फरीदाबाद (हरियाणा), तिरुवनंतपुरम (केरल), लुधियाना (पंजाब), वाराणसी (उत्तर प्रदेश) और गंगटोक (सिक्किम), मुंबई (महाराष्ट्र), अहमदाबाद (गुजरात), सूरत (गुजरात), इंदौर (मध्य प्रदेश), पुणे (महाराष्ट्र), दिल्ली, रांची (झारखंड), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), बेंगलुरु (कर्नाटक), चेन्नई (तमिलनाडु), हैदराबाद (तेलंगाना), कोयंबटूर (तमिलनाडु), भुवनेश्वर (ओडिशा) और गुवाहाटी (असम) में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर संचालित हैं। इसके अतिरिक्त रायपुर (छत्तीसगढ़), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), पटना (बिहार), सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल), पणजी (गोवा) और विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) में नए चैप्टर्स की घोषणा की जा चुकी है।

- **दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस: 8 से 10 दिसम्बर तक भव्य आयोजन**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में 10 दिसम्बर को हर वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस क्रम में दूसरा प्रवासी दिवस आगामी 10 दिसम्बर आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत 8 दिसम्बर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट और 9 दिसम्बर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रवासी सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। 10 दिसंबर को जयपुर के जेईसीसी में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा।

आईआईटीझएनआईटी नहीं तो क्याङ्क मोशन के शिक्षा महोत्सव में विद्यार्थियों ने जाना 'प्लान बी'

ढाई दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने दी करियर की जानकारी, एआई और रोबोटिक्स जैसे पाठ्यक्रमों में दिखी विशेष रुचि

चमकता राजस्थान

कोटा। आईआईटी और एनआईटी के अलावा उच्च शिक्षा एवं करियर के विकल्पों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से मोशन एजुकेशन के द्रोणाचार्यझदो कैंपस में बुधवार को दो दिवसीय शिक्षा महोत्सव एजुकेशन फेयर का शुभारंभ हुआ। पहले दिन विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से संवाद कर पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, स्कॉलरशिप और प्लेसमेंट की जानकारी ली।

कार्यक्रम का उद्घाटन मोशन एजुकेशन के जेईई डिवीजन के हेड एवं जॉइंट डायरेक्टर रामरतन द्विवेदी, डिप्टी डायरेक्टर निखिल श्रीवास्तव, सीनियर फैकल्टी दीपक जोशी, चंद्रशेखर शर्मा, जयंत चिनौड़ा, आतिश अग्रवाल और करियर फेयर कोऑर्डिनेटर रवींद्र साहू ने किया।

रामरतन द्विवेदी ने कहा कि कोटा आने वाले विद्यार्थी पढ़ाई के साथ मेहनत, अनुशासन और चुनौतियों का सामना करना भी सीखते हैं। करियर किसी एक परीक्षा या संस्थान तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और भविष्य की संभावनाओं को समझते हुए सही विकल्प चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि करियर फेयर का उद्देश्य विद्यार्थियों को विकल्प बताने के साथ सही दिशा चुनने में मदद करना है।

आयोजकों के अनुसार, फेयर में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, एमआईटी आर्ट, डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, वॉक्सन यूनिवर्सिटी, केआईईटी और पारुल यूनिवर्सिटी सहित ढाई दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों ने भाग लिया। संस्थानों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों, शैक्षणिक सुविधाओं और करियर की संभावनाओं से अवगत कराया।

विद्यार्थियों ने बीटेक के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में विशेष रुचि दिखाई। मेडिकल, फार्मेसी, लॉ, मैनेजमेंट, फाइनेंस, डिजिटल मार्केटिंग और डिजाइनिंग के पाठ्यक्रमों के बारे में भी जानकारी ली गई। विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनियां तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक ज्ञान और समस्या समाधान की क्षमता को महत्व दे रही हैं।

कई विश्वविद्यालयों ने मेरिट आधारित स्कॉलरशिप, फीस में छूट और अन्य आर्थिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट रिकॉर्ड, कंपनियों के साथ साझेदारी, इंटर्नशिप और कैंपस सुविधाओं से जुड़े सवाल भी पूछे। आयोजन में ऑनलाइन प्रतियोगिताएं, क्विज और लकी ड्रॉ जैसी गतिविधियां रखी गईं।

महिला पतंजलि योग समिति नें राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत के राजस्थान प्रदेश में नई नियुक्तियों पर दी शुभकामनाएँ



चमकता राजस्थान/ब्यावर। राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत को राजस्थान प्रदेश में नई जिम्मेदारियों के साथ संगठनात्मक विस्तार मिलने पर राजस्थान धरा न्यूज़ के संपादक आदरणीय कमल साहू को महिला पतंजलि योग समिति, ब्यावर की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत द्वारा कमल साहू को राजस्थान प्रदेश प्रभारी कैलाश चंद्र माली को प्रदेश महामंत्री एवं भरतरी मीणा को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई।

कमल साहू के नेतृत्व में राजस्थान में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी तथा पत्रकारों के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा मिलेगा, ऐसी मंगलकामना है।

महिला पतंजलि योग समिति, ब्यावर की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ। सादर शुभकामनाओं सहित।

सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा अमृत कौर अस्पताल में महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- **महिलाओं एवं बालिकाओं को कानूनी अधिकारों और हेल्पलाइन सेवाओं की दी जानकारी**



चमकता राजस्थान/ब्यावर। महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशन में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा बुधवार को अमृत कौर अस्पताल में महिला अधिकारों एवं सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अस्पताल में उपस्थित महिलाओं, बालिकाओं एवं उनके परिजनों को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों तथा सरकार द्वारा संचालित सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान सेंटर की कार्यकर्ताओं ने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, छेड़छाड़ एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का आ''ान किया।

उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा अथवा उत्पीड़न की स्थिति में महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं आपातकालीन सेवा 112 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'बेटी है तो कल है' एवं 'पढ़ेगी बेटी, बढ़ेगी बेटी' जैसे नारों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एवं बालिका शिक्षा का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि बेटा-बेटी में भेदभाव समाप्त कर बेटियों को समान अवसर एवं बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना ही सशक्त समाज की आधारशिला है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को बेटियों की शिक्षा सुनिश्चित करने तथा समाज में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा एवं समानता के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान अस्पताल स्टाफ एवं आमजन उपस्थित रहे।

शर्मनाक! सिणधरी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में मृतकों के सम्मान की भी व्यवस्था नहीं?

पोस्टमार्टम के बाद शव को प्लास्टिक में लपेटकर परिजनों को सौंपने का मामला आया सामने, अस्पताल की व्यवस्थाओं पर उठे गंभीर सवाल

चमकता राजस्थान

सिणधरी (बालोतरा)। रामेश्वर खिलेरी सरकारी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के सरकार के दावों के बीच सिणधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उल्लउ) की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यहां पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के शवों को सम्मानजनक तरीके से परिजनों को सुपुर्द करने की व्यवस्था को लेकर नाराजगी सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य हादसों में मृत्यु होने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिणधरी अस्पताल लाया जाता है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपा जाता है, लेकिन सामने आई तस्वीर में शव को केवल प्लास्टिक में लपेटकर वाहन में ले जाते हुए



देखा जा सकता है। इस दृश्य ने अस्पताल प्रशासन की व्यवस्थाओं और संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि सिणधरी के प्रमुख सरकारी अस्पताल में शवों को सुरक्षित रखने और सम्मानजनक तरीके से परिजनों को सौंपने के लिए आवश्यक बॉडी पैकिंग बैग, उचित कवर और अन्य सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं है? आखिर अस्पताल के रखरखाव और आवश्यक सुविधाओं के लिए मिलने वाले सरकारी बजट का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है?

- **आखिर जिम्मेदारी किसकी?**

अस्पताल में शवों को सम्मानजनक तरीके से सुपुर्द करने की व्यवस्था सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है? क्या अस्पताल प्रशासन के पास आवश्यक संसाधनों की कमी है या फिर उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग नहीं हो रहा है? क्या चिकित्सा विभाग के उच्च अधिकारी समय-समय पर अस्पताल का निरीक्षण करते हैं? यदि व्यवस्थाओं में कमी है तो अब तक सुधार क्यों नहीं किया गया?

- **नगर पालिका बनने के बाद भी सवाल बरकरार**

सिणधरी को नगर पालिका का दर्जा मिलने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाओं और विकास की उम्मीद जगी थी, लेकिन अस्पताल की मूलभूत व्यवस्थाओं को लेकर सामने आई तस्वीर कई सवाल खड़े करती है। साफ-सफाई से लेकर आवश्यक सुविधाओं तक, सरकारी संस्थानों में जवाबदेही सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

- **प्रशासन से जांच और सुधार की मांग**

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा संबंधित अधिकारियों से सिणधरी उल्लउ की व्यवस्थाओं की जांच करवाने और आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाने की मांग की है। अस्पताल में पर्याप्त बॉडी बैग, शव को ढकने के लिए उचित सामग्री और सम्मानजनक सुपुर्दगी की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुद्दा केवल एक शव को प्लास्टिक में लपेटने का नहीं, बल्कि मृत व्यक्ति की गरिमा और उसके परिजनों के सम्मान का है। जिस परिवार ने अपना सदस्य खोया है, उसे अंतिम विदाई के समय ऐसी अव्यवस्थाओं का सामना नहीं करना पड़े, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अब देखना यह है कि चिकित्सा विभाग और जिला प्रशासन इस मामले में कब संज्ञान लेते हैं और अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए क्या कदम उठाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रोड सेफ्टी अभियान 2.0 : लग्जरी के साथ स्थानीय एवं निजी बसों का भी औचक निरीक्षण



चमकता राजस्थान/ब्यावर। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार फ्च्ंहंरीं३८ उेंस्ब्ँल्ल 2.0 के तहत आज जीरो पुलिया, उदयपुर रोड पर बसों का औचक निरीक्षण किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर एवं अपर जिला न्यायाधीश सोनल पारिख के निर्देशन में जिला परिवहन अधिकारी, ब्यावर एवं यातायात पुलिस ब्यावर की संयुक्त टीम द्वारा लग्जरी बसों के साथ-साथ स्थानीय, निजी एवं स्लीपर बसों की भी जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान बसों के परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशामक यंत्र एवं अन्य आवश्यक यात्री सुरक्षा मानकों की जांच की गई। जांच में सुरक्षा मानकों में कमियां एवं अनधिकृत मॉडिफिकेशन पाए जाने पर संबंधित बस संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई एवं चालान किए गए।

सचिव सोनल पारिख ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है तथा बसों में आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशामक यंत्र एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की अनदेखी यात्रियों के जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। इसी उद्देश्य से अभियान का विस्तार करते हुए स्थानीय एवं निजी बसों को भी निरीक्षण के दायरे में शामिल किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्च्ंहंरीं३८ उेंस्ब्ँल्ल 2.0 के तहत औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे तथा यात्री सुरक्षा मानकों की अवहेलना करने वाले बस संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ बस संचालकों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना एवं आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है।

पंचायतीराज आम चुनाव-2026: जिला परिषद डीग के प्रमुख पद पर रेनू सिंह निर्वाचित



चमकता राजस्थान/डीग। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद डीग के प्रमुख पद पर भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी रेनू सिंह निर्वाचित हुईं। रेनू सिंह को 22 मत प्राप्त हुए, जबकि इंडियन नेशनल कांग्रेस की प्रत्याशी मुबीना को 7 मत मिले। जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक मनीष ने बताया कि प्रमुख पद के निर्वाचन में कुल 29 मत डाले गए। सभी मत वैध रहे तथा कोई मत निरस्त या निविदत्त नहीं हुआ। रेनू सिंह को जिला परिषद डीग के प्रमुख पद पर विधिवत निर्वाचित घोषित किया गया।

बाबा रामदेव संस्कार केंद्र में प्रांतीय प्रमुख किशनाराम का प्रवास, संस्कारमय गतिविधियों की ली जानकारी



चमकता राजस्थान/बायतु (चिमु धतरवाल)। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा संचालित बाबा रामदेव संस्कार केंद्र, पुराना गांव बायतु में बुधवार को प्रांत संस्कार केंद्र प्रमुख किशनाराम का प्रवास रहा। इस दौरान उन्होंने संस्कार केंद्र की गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में जिला संस्कार केंद्र प्रमुख नरसिंगाराम सुथार एवं आदर्श विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा उपस्थित रहे। केंद्र संचालक सुरेश कुमार ने अतिथियों का परिचय करवाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर संस्कार केंद्र की भूमिका, बच्चों में संस्कारों के विकास तथा संस्कारमय शिक्षा को बढ़ावा देने के विषय में चर्चा की गई।

एक वोट से कांग्रेस प्रत्याशी अनीशा जाटव बनीं जिला प्रमुख

- **निर्दलीय प्रत्याशी सोमवती भास्कर को मिले 14 वोट, अनीशा जाटव ने 15 मत प्राप्त कर दर्ज की जीत**

चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण धौलपुर जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत जिला प्रमुख पद के लिए हुए, निर्वाचन में कांग्रेस प्रत्याशी अनीशा जाटव ने कड़े मुकाबले में महज एक वोट से जीत दर्ज की। अनीशा जाटव को कुल 15 मत प्राप्त हुए, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी सोमवती भास्कर को 14 मत मिले। इस प्रकार अनीशा जाटव एक मत के अंतर से जिला प्रमुख निर्वाचित हुईं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी ने बताया कि जिला प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया संपन्न करवाई गई। मतगणना के बाद घोषित परिणाम में कांग्रेस प्रत्याशी अनीशा जाटव को 15 तथा निर्दलीय प्रत्याशी सोमवती भास्कर को 14 मत प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न करवाई गई।



भाजपा का लोकतंत्र में भरोसा, जनादेश स्वीकारः— मदन राठौड़

2028 के विधानसभा चुनाव में फिर बनेगी भाजपा सरकारः मदन राठौड़

कांग्रेस का हंगामा सिर्फ झूठा प्रोपेगेंडा हुआ साबित, माफी मांगे कांग्रेसः मदन राठौड

- **कांग्रेस नेताओं के मुंह से सुशासन की बात करना बेमानी सा प्रतीतः— मदन राठौड़**

चमकता राजस्थान



जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को जिला प्रमुख के चुनाव में 10 जिलों में पार्टी का जिला प्रमुख बनने पर जनता का आभार व्यक्त किया। राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरी है, भाजपा लोकतंत्र में विश्वास करती है, इसलिए जनता के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करती है। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में और अधिक गति से राजस्थान की सेवा की जाएगी और 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा फिर से सरकार बनाएगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि पंचायती राज के चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस को अपने उस झूठे प्रोपेगेंडा पर जनता से माफी मांगनी चाहिए, जो उन्होंने परिसीमन पर झूठ बोला, ईवीएम को बदनाम किया, हमारी चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाए गए। ये सब अब जनता के समझ में आ गया है, इसलिए कांग्रेस को जनता से और भारतीय जनता पार्टी से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज के परिणाम विधानसभा के चुनाव परिणाम नहीं होते। अब तक हुए पंचायती राज चुनाव परिणामों के आधार पर भी ये बात साबित होती है कि पंचायती राज चुनावों में किसी पार्टी की जीत विधानसभा चुनाव में जीत की गारंटी नहीं होती है। राजस्थान की जनता ने पांच साल के लिए हमें जो सेवा का अवसर दिया है, उसी के अनुरूप अगले दो वर्ष हम पूरी प्रमाणिकता और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने भरतपुर चुनाव को लेकर जिस तरह की टिप्पणी की थी, वह अराजकता को फैलाने वाली थी। यह जिम्मेदार राजनेता का बयान नहीं हो सकता। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जिस तरह संयम का परिचय दिया उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की कथनी और करनी में भेद है, चूरू में भाजपा की जीत पर कुछ कहते है और ब्यावर में कांग्रेस की जीत पर उनका बयान बदल जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पंचायती राज चुनाव में मिली क्षणिक सफलता से अपच का शिकार हो गई है। जिसके कारण कांग्रेस के नेता बोराए घुम रहे है। कांग्रेस नेताओं के मुंह से सुशासन की बात करना बेमानी सा लगता है। सुशासन और कांग्रेस का कोई संबंध नहीं है। पिछले कांग्रेसराज में सरकार होटल में चलती हुई जनता ने देखी थी, और उसका परिणाम भी 2023 में कांग्रेस ने भुगता है। इसलिए मेरी सलाह है कि कांग्रेस अहंकार में ना आए, भाजपा के कार्यकर्ता पूरी क्षमता से 2028 चुनाव में जवाब देंगे।

दिवा में बिना नाम और गुणवत्ता जांच के बिक रहे 20 लीटर पानी के जार और बोतलें!

50 से 80 रुपये तक वसूली, आखिर कहां सो रहा है TMC का पानी आपूर्ति विभाग?

पानी के जार और बोतलों पर न कंपनी का नाम, न शुद्धता की जानकारी और न ही पानी के स्त्रोत का खुलासा! खुलेआम बिक्री पर मनपा प्रशासन की चुप्पी से नागरिकों के स्वास्थ्य पर उठे सवाल।

चमकता राजस्थान

प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी

दिवा : दिवा शहर में पीने के पानी की बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में 20 लीटर के पानी के जार और बोतलों की बिक्री की जा रही है, लेकिन कई जार और बोतलों पर न तो किसी कंपनी का नाम दिखाई देता है और न ही पानी की गुणवत्ता एवं शुद्धता से संबंधित कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होती है। इसके बावजूद पानी वितरकों द्वारा इनकी खुलेआम बिक्री की जा रही है। ऐसे में आम नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है।

एक तरफ बाजार में बिकने वाले पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो दूसरी तरफ दिवा में बिना स्पष्ट पहचान और गुणवत्ता संबंधी जानकारी वाले पानी के जार और बोतलों की बिक्री जारी है। आखिर इन जारों और बोतलों में पानी कहां से लाया जाता है? इसकी शुद्धता की जांच कौन करता है? कितने पानी वितरकों को पानी बेचने की अधिकृत अनुमति दी गई है? क्या सभी वितरकों के पास आवश्यक लाइसेंस और गुणवत्ता जांच की रिपोर्ट उपलब्ध है?



इन सवालों के बीच ठाणे महानगरपालिका की दिवा प्रभाग समिति के पानी आपूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि शहर में बड़े पैमाने पर पानी के जार और बोतलों की बिक्री होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है। वहीं, इस कारोबार से जुड़ी अधिकृत जानकारी मांगने पर भी संबंधित अधिकारियों की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं मिलने की शिकायत है।

इससे नागरिकों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर पानी आपूर्ति विभाग इस कारोबार पर निगरानी क्यों नहीं रख रहा है? क्या सभी पानी वितरकों के दस्तावेजों और पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच होती है? यदि होती है तो इसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? हालांकि, अधिकारियों की मिलीभगत का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है, लेकिन विभाग की चुप्पी और कार्रवाई के अभाव ने संदेह जरूर पैदा किया है।

- **20 लीटर पानी के जार के लिए 50 से 80 रुपये तक वसूली**

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि 20 लीटर के एक पानी के जार के लिए उनसे 50 से 80 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। यानी आम जनता को पीने के पानी के लिए भी अपनी जेब ढीली करनी पड़ रही है। यदि समय रहते इस कारोबार पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और पानी की गुणवत्ता की जांच नहीं हुई तो आने वाले दिनों में दिवा की जनता को पीने का पानी पेट्रोल से भी महंगा खरीदना पड़ सकता है।

ध्यान और मंत्र जाप से जीवन में सकारात्मक बदलाव का दावा ; अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र में श्रद्धालुओं ने साझा किए अपने अनुभव



चमकता राजस्थान/जोधपुर/बीकानेर। अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने समर्थ सद्गुरुदेव रामलालजी सियाग के सान्निध्य एवं उनके बताए ध्यान और मंत्र जाप से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे साधकों ने अपने जीवन में आए बदलावों और व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में जानकारी दी। मौका था समर्थ सद्गुरुदेव रामलाल जी सियाग के 101 वें अवतरण दिवस महोत्सव कार्यक्रम का।

कार्यक्रम में शिरकत करने वाले बीकानेर मीडिया प्रभारी जयसिंह चौहान ने बताया कि वक्ताओं ने कहा कि गुरुदेव का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक साधक की जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया, पैम्फलेट और अन्य माध्यमों से मिशन की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आ''ान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरुदेव के बताए मार्ग पर चलते हुए नियमित रूप से सुबह-शाम 15 मिनट ध्यान और मंत्र जाप करना चाहिए। इस दौरान कई साधकों ने अपने अनुभव साझा किए। भरत कंवर ने बताया कि उन्हें बचपन से माइग्रेन की समस्या थी, जो उनके अनुसार नियमित ध्यान और मंत्र जाप करने से तीन महीने में ठीक हो गई। उन्होंने चाय की अत्यधिक आदत छूटने का अनुभव भी साझा किया। जावेरा ग्राम की सरपंच फूलन पुरोहित ने बताया कि वर्ष 2009 में दीक्षा लेने के बाद उन्होंने ध्यान करना शुरू किया। उन्होंने कान के पर्दे की समस्या और पेट दर्द से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नियमित ध्यान के बाद उन्हें राहत महसूस हुई। कार्यक्रम में एक साधक ने एचआईवी से संबंधित अपनी रिपोर्ट में बदलाव आने का दावा किया, जबकि भिवानी निवासी एक अन्य साधक ने बताया कि वर्ष 2018 में ब्लड कैंसर का पता चलने के बाद उन्होंने उपचार के साथ गुरुदेव का मंत्र जाप किया। उनके अनुसार वर्ष 2019 से उनकी रिपोर्ट सामान्य आ रही हैं। सुरेश कुमार राठौड़ ने शुगर की समस्या को लेकर अपना अनुभव साझा किया। वहीं एक महिला साधिका ने बताया कि उन्हें वर्ष 2015 से अस्थमा की गंभीर समस्या थी। नियमित साधना के बाद उन्हें काफी राहत मिली।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने साधकों से अपील की कि वे प्रतिदिन सुबह और शाम 15-15 मिनट ध्यान करें तथा दिनभर मन ही मन गुरुदेव द्वारा दिए गए मंत्र का जाप करें। अंत में भजन-कीर्तन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खेजड़ी व शीशम कटाई प्रकरण ने पकड़ा तूल, बार एसोसिएशन और बजरंग सेना ने खोला मोर्चा

नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग, अध्यक्ष सहित सात लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की उठाई आवाज; कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

चमकता राजस्थान

श्रीगंगानगर (संजय बिश्नोई) रायसिंहनगर। शहर के वार्ड नंबर 04 स्थित झूलेलाल मंदिर के पास वर्षों पुराने खेजड़ी एवं शीशम के पेड़ों की कटाई का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब बार एसोसिएशन रायसिंहनगर और बजरंग सेना खुलकर सामने आ गए हैं। दोनों संगठनों ने नगरपालिका प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बार एसोसिएशन रायसिंहनगर ने पेड़ों की कटाई पर कड़ा विरोध जताते हुए नगरपालिका प्रशासन की कार्यशैली की निंदा की। एसोसिएशन ने कहा कि शहर में वर्षों पुराने पेड़ों की कटाई गंभीर विषय है। मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।



वहीं, बजरंग सेना के प्रदेश महामंत्री संजय बिश्नोई के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में नगरपालिका अध्यक्ष मयंक सिंगल सहित सात लोगों की भूमिका की जांच करवाने और दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि झूलेलाल मंदिर के पास स्थित वर्षों पुराने खेजड़ी के पेड़ को नगरपालिका प्रशासन द्वारा कटवा दिया गया। खेजड़ी राजस्थान का राज्य वृक्ष होने के साथ प्रदेश की संस्कृति, धार्मिक आस्था और पर्यावरण से गहराई से जुड़ा हुआ है। राजस्थान में खेजड़ी को मां का दर्जा दिया जाता है तथा इसे जीवनदायिनी वृक्ष माना जाता है।

बजरंग सेना की ओर से कहा गया कि पेड़ों की कटाई से शहर के 36 कौम के लोगों में आक्रोश है। नगरपालिका परिसर में पड़े कटे हुए खेजड़ी के तने से पानी निकलता दिखाई देने का हवाला देते हुए लोगों ने इतने पुराने और महत्वपूर्ण वृक्ष को काटे जाने पर सवाल उठाए हैं।

ज्ञापन में नगरपालिका अध्यक्ष मयंक सिंगल, अधिशासी अधिकारी पवन चौधरी, वार्ड नंबर 03 के पार्षद अमित यादव, सफाई निरीक्षक कपिल मांझू सहित तीन अन्य व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई है।

- **दस्तावेज सार्वजनिक करने और कार्रवाई की मांग**

बजरंग सेना ने मांग की है कि खेजड़ी एवं शीशम के पेड़ों की कटाई से संबंधित आदेश, अनुमति और अन्य दस्तावेजों की जांच कर उन्हें सार्वजनिक किया जाए। कटे हुए पेड़ों के अवशेष सुरक्षित रखकर आवश्यक जांच करवाई जाए तथा तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। भविष्य में नगरपालिका क्षेत्र में हरे एवं संरक्षित पेड़ों की कटाई नियमानुसार अनुमति के बिना नहीं की जाए।

दोनों संगठनों की ओर से इस प्रकरण में प्रशासन से निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग उठाई गई है। वहीं, बजरंग सेना ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो शहर के 36 कौम के नागरिक लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन करेंगे।

अब देखना यह होगा कि वर्षों पुराने खेजड़ी और शीशम के पेड़ों की कटाई के इस मामले में नगरपालिका प्रशासन एवं संबंधित अधिकारी क्या जवाब देते हैं और जांच के बाद क्या कार्रवाई होती है।

सर्व समाज की उपस्थिति में आचार्य नित्यानंद सूरीश्वर के प्रति व्यक्त की कृतज्ञता

गोड़वाड़ भवन में गुरुकृपा चातुर्मास का हुआ समापन

चमकता राजस्थान

बेंगलूरु। श्री गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति की ओर से चल रहे वल्लभ समुदाय के गच्छाधिपति आचार्य नित्यानंद सूरीश्वरजी, पंन्यास धर्मशील विजयजी, मुनि मोक्षानंद विजयजी, मुनि धरणेन्द्र विजयजी, मुनि ज्ञानानंद विजयजी, मुनि परमानंद विजयजी एवं साध्वी सिद्धप्रज्ञाश्रीजी, साध्वी रश्मि प्रज्ञाश्रीजी आदि ठाणा के चातुर्मास का समापन गोडवाड़ भवन के प्रांगण में संपन्न हुआ। गुरु वंदना से शुरु हुए कार्यक्रम में आचार्यश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगलाचरण दिया। संगीतकार कमलेश एंड पार्टी ने संगीत की रमझट के साथ जय जय गुरुदेव गीत के माध्यम से संतों के प्रति श्रद्धा के भाव प्रकट किए। इसके बाद शहर के प्रबुद्ध सामाजिक लोगों ने दीप प्रज्वलन किया। गोड़वाड़ जैन ट्रस्ट के महामंत्री विक्रम करबावाला ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए आचार्यश्री के समक्ष कृतज्ञता व्यक्त की। चातुर्मास के दौरान सहयोगार्थ रहे सभी ट्रस्टीगणों एवं दानवीर भामाशाहों के सहयोग हेतु उन्होनें सभी का आभार भी प्रकट किया। इसके बाद आदिनाथ जैन संघ चिकपेट के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 23 वर्ष पूर्व आचार्यश्री ने चिकपेट संघ में चातुर्मास किया, जो आज भी सभी की स्मृतियों में है। चातुर्मास के दौरान उन्होनें साधर्मिक सेवा हेतु उनको आवास बनाने का सपना देखा जो उस समय किसी कारणवश पूरा न हो पाया। उसी सपने को इस चातुर्मास में गोड़वाड़ जैन ट्रस्ट ने पूरा किया इस हेतु वे बधाई के पात्र है। सोलंकी ने कहा कि आचार्य ने सभी जगह शिक्षा, चिकित्सा की अलख जगाई जो सदियों तक याद रहेगी। कुमारापार्क जैन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद राठौड़ ने कहा कि चातुर्मास के दौरान श्रद्धालुओं को गुरु के माध्यम से अपने आत्म दर्शन करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि गुरु के आभा मंडल में आने से जीवन को नई दिशा और दशा मिलती है। राठौड़ ने आगे कहा कि 2500 से ज्यादा किलोमीटर का विहार कर गुरुदेव नागौर से बेंगलूरु चातुर्मास हेतु पधारे और गोडवाड़ ट्रस्ट ने उनकी प्रेरणा से साधर्मिक भाईयों को आवास देने की महती योजना को परिपूर्ण कर उनका सपना पूरा किया, जो समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगी। वरिष्ठ श्रावक चेतनप्रकाश डुंगरवाल ने कहा कि तीर्थंकरों ने चातुर्मास का प्रावधान रखा जिससे हमें साधु संतों का सान्निध्य मिलना प्रारंभ हुआ। गुरुवाणी श्रवण करने का सौभाग्य मिला जो वरदान से कम नहीं है। चातुर्मास साधना का प्रमाण है जिससे संतों की प्रेरणा से संघ समाज की आवश्यकताओं



की पूर्ति भी होती है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास के दौरान गुरु भगवंतों की सेवा में जो अदृश्य रिद्धि सिद्धि और समृद्धि एवं वचन सिद्धि की लब्धियां प्राप्त होती है उससे सभी श्रावक श्राविकाओं के मनोरथ पूरे होते है। आचार्यश्री नित्यानंदजी का चातुर्मास भविष्य के धर्म अनुष्ठानों के लिए नींव आधार कहलायेगा। इसके बाद तेरापंथ ट्रस्ट गांधीनगर के अध्यक्ष एमसी.बलदोटा ने भी आचार्यश्री के प्रति मंगल भावना व्यक्त की। द हॉलसेल क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने कहा कि आचार्यश्री का शिक्षा प्रेम जग जाहिर है इस हेतु बेंगलूरु में भी आचार्यश्री को शिक्षा के बड़े संस्थान स्थापित करने हेतु प्रेरणा कर एक उच्च स्तरीय शिक्षा संस्थान गुरु वल्लभसूरिजी के नाम से खोलना चाहिए, इस कारण एक ओर चातुर्मास बेंगलूरु में करने का उन्होनें आचार्यश्री से निवेदन किया। सीरवी महासभा के फाऊलाल परिहारिया ने कहा कि गुरु भगवान तक पहुंचाने की प्रथम कड़ी है, इन्ही की वाणी का अनुसरण कर हम अपनी आत्मा का कल्याण कर सकते है। उन्होनें गोड़वाड़ समाज की महत्वकांशी साधर्मिक योजना से प्रेरणा लेकर अपने समाज में भी चर्चा करने की बात कही। खत्री समाज के जगदीश खत्री ने कहा कि गुरुओं के आशीर्वाद से समाज का उत्थान होता है। ट्रस्टी विमल गांग, रंगराज हिंगड़ ने भी विचार व्यक्त किए। गोड़वाड़ भवन ट्रस्ट के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के दौरान कई बार मानवीय भूलें भी हो जाती है इस हेतु उन्होनें सभी से क्षमायाचना की। उन्होंने कहा कि वे हमेशा निःस्वार्थ भाव से समाज के हित में कार्य को प्राथमिकता देते है। अनुशासन एवं कार्य के प्रति समर्पण भाव ही उनकी सफलता का मूलमंत्र है। उन्होनें आचार्यश्री के एक साल के भीतर साधर्मिक आवास योजना को पूर्ण करने की बात पर डेढ़ वर्ष में इसे पूर्ण कर आचार्यश्री के हाथों आर्थिक रुप से कमजोर साधर्मिक भाईयों को आवास सौपनें की बात कही। इस दौरान मुनि मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि संतों का संग बड़े भाग्य से मिलता है। संत भव का अंत करते है और आत्मा का परमात्मा से मिलाने की कड़ी बनते है। संतों के सान्निध्य से जीवन का उद्धार होता है। वे सबके कल्याण की भावना रखते की सबको प्रेरणा देते है। संतों के सान्निध्य में पापों का नष्ट होता है। उन्होंने आगे कहा कि संतों के सान्निध्य में जाकर अनुष्ठान करने से कर्मो का असर कम होता है। मुनिश्री ने कहा कि संत महात्मा परमात्मा के प्रतिनिधि है, वर्षाकाल में जीव उत्पति होती है उसकी हिंसा को टालने के लिए वे चार माह तक स्थितरवास कर चातुर्मास करते है जिसमें हजारों आत्माओं को धर्म, सत्य, आराधना की प्रेरणा देकर आत्माओं का कल्याण करते है। उन्होने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। आचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी ने कहा कि समय के साथ स्मृतियां शेष रहती है इस चातुर्मास की भी अनेक स्मृतियां सदैव रहेगी। चातुर्मास की सफलता का मापदण्ड साधर्मिक भाईयों के लिए आवास की 23 वर्ष पूरानी मेरी योजना को मूर्तरुप देना रहा, जिससे साधर्मिक भाई स्वावलंबी बनेंगे। भाई को भाई की तरह अपने साथ जोड×कर रखने की इस महत्वकांशी योजना में गोड़वाड़ का ट्रस्ट मंडल तन, मन, धन से पूरी निष्ठा से समर्पित होकर आगे बढ़ रहा है। आचार्यश्री ने कहा कि शहर के छतीस कौम के प्रवासी राजस्थानी समाज संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पधाकर आज जो ऐतिहासिक विदाई एवं कृतज्ञता व्यक्त की वो सदैव स्मृति में रहेगी। कार्यक्रम का संचालन मनीष खाड़ीवाला ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

● सिसोदिया के पुरुषार्थ की सराहना..

कार्यक्रम में अनेक वक्ताओं एवं समाजसेवीयों ने गोड़वाड़ भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया के पुरुषार्थ की सराहना की। सिसोदिया द्वारा गोडवाड़ भवन के संचालन एवं धार्मिक एवं सामाजिक कार्यो में समाज के कार्यो के प्रति उनके समर्पण भाव हेतु उनका आभार प्रकट किया।

● प्रवासी समाज के प्रतिनिधियों ने भी व्यक्त की कृतज्ञता..

समारोह में श्वेताम्बर, स्थानकवासी, तेरापंथी जैन समाज के साथ राजपूत समाज, राजपुरोहित समाज, सीरवी समाज, आंजणा पटेल समाज, माली सैनी समाज, खत्री समाज, दर्जी समाज, घांची समाज, जाट समाज, प्रजापत समाज, ब्राह्मण समाज, कुमावत, समाज सहित बेंगलूरु में प्रवासित राजस्थान के छतीश कौम की सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर आचार्य के दर्शन वंदन कर उनके प्रति कृतज्ञता भाव प्रकट किए। ट्रस्ट की ओर से सभी का सम्मान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नगरसेवक मनोज शिंदे का जन्मदिन पर सराहनीय उपक्रम; सूखाग्रस्त किसानों की मदद के लिए 5 लाख रुपये की सहायता!

- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं; बड़ी संख्या में शिवसैनिकों की रही उपस्थिति



चमकता राजस्थान/प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी ठाणे : शिवसेना के बीड जिला संपर्क प्रमुख तथा ठाणे महानगरपालिका के वरिष्ठ नगरसेवक मनोज शिंदे का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मनोज शिंदे से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की। इस दौरान बड़ी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित रहे।

नगरसेवक मनोज शिंदे आम जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। जनता की समस्याओं का समाधान करना और सामाजिक दायित्वों को निभाना उनकी प्राथमिकता रही है। उनकी इसी सेवाभावी भावना का एक बार फिर जन्मदिन के अवसर पर उदाहरण देखने को मिला।

जन्मदिन का औचित्य साधते हुए मनोज शिंदे ने सूखाग्रस्त किसानों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री सहायता निधि में 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की। किसानों के संकट के समय उन्हें आर्थिक संबल देने के उद्देश्य से उठाया गया उनका यह कदम सराहनीय माना जा रहा है।

जन्मदिन की खुशियों को सामाजिक कार्य के माध्यम से व्यक्त करते हुए नगरसेवक मनोज शिंदे ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर प्रदर्शित किया। उनके इस सेवाभावी उपक्रम की शिवसैनिकों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

रिडमलसर में ऐतिहासिक कार्यभार ग्रहण समारोह: सरपंच मन्शा मांझू ने संभाली पंचायत की कमान

- जनसैलाब के बीच विधायक रूपिंदर सिंह कुनर व जिला प्रमुख दुलाराम इंदलिया ने दी विकास को नई दिशा
- अंबेडकर पार्क और लाइब्रेरी निर्माण का संकल्प; भामाशाहों ने बालिका शिक्षा के लिए खोला खजाना

चमकता राजस्थान

रिडमलसर (संजय बिश्नोई)। ग्राम पंचायत रिडमलसर के इतिहास में बुधवार, 25 नवंबर 2026 का दिन विकास और जनविश्वास के नए अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। पंचायत घर में आयोजित भव्य समारोह में नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती मन्शा रामकुमार मांझू ने हजारों ग्रामीणों की मौजूदगी और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीकरणपुर विधायक व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री रूपिंदर सिंह कुनर तथा श्रीगंगानगर जिला प्रमुख श्री दुलाराम इंदलिया ने शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

● विकास और पारदर्शिता का संकल्प

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक रूपिंदर सिंह कुनर ने नवनियुक्त सरपंच श्रीमती मन्शा रामकुमार मांझू, उपसरपंच श्रीमती शकीला देवी एवं समस्त पंचगण को बधाई दी और गांव में सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं मूर्ति स्थापना की महत्वपूर्ण बात कही।



वहीं, जिला प्रमुख दुलाराम इंदलिया ने कहा कि ग्राम पंचायत विकास की पहली सीढ़ी है; उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने और युवाओं के भविष्य के लिए गांव में आधुनिक पुस्तकालय (लाइब्रेरी) की स्थापना पर विशेष जोर दिया।

समारोह को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा तीन बार सरपंच रहे श्री रामस्वरूप मांझू ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए सभी को साथ लेकर पंचायत के विकास की बात कही। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक श्री राजाराम बिश्नोई ने संबोधित करते हुए ग्राम विकास एवं शिक्षा पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर श्री सुभाष मांझू ने एक बड़ा संदेश देते हुए पंचायत के सभी कार्यों को पूर्णतः भ्रष्टाचार मुक्त रखने और पारदर्शी प्रशासन देने का भरोसा दिलाया।

बालिका शिक्षा के लिए भामाशाहों ने खोला दिल

समारोह के दौरान गांव की बेटियों की शिक्षा और स्कूल के कायाकल्प के लिए भामाशाहों ने दिल खोलकर दान की घोषणाएं कीं:

* 1 लाख रुपये की सौगातः भामाशाह श्री बलवन्त राय सिंघल ने बालिका विद्यालय के हॉल की मरम्मत के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की।
* 90 हजार का फर्नीचरः रिटायर्ड फूड इंस्पेक्टर श्री हरनेक सिंह ने इसी विद्यालय में छात्राओं की सुविधा हेतु 90,000 रुपये के फर्नीचर की घोषणा कर सभी का दिल जीत लिया।

विशिनिगिरि बाबा धाम ने लिया बाल विवाह मुक्त समाज बनाने का संकल्प, श्रद्धालुओं को किया जागरूक



चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण बाड़ी। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से विशिनिगिरि बाबा धाम में जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर धाम के अध्यक्ष रामखिलाड़ी एवं मुख्य पुजारी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे बाल विवाह को किसी भी रूप में बढ़ावा न दें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास, शिक्षा तथा उज्ज्वल भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यह समाज के लिए गंभीर सामाजिक बुराई है, जिसे सामूहिक प्रयासों से पूरी तरह समाप्त करना आवश्यक है। इस दौरान धाम के अध्यक्ष एवं मुख्य पुजारी ने संकल्प लिया कि धाम पर आयोजित होने वाले शादी समारोह, सगाई एवं अन्य सामाजिक आयोजनों में बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को भी बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। यह अभियान प्रयत्न संस्था की परियोजना 'कवच' के अंतर्गत परियोजना अधिकारी रजनी जैन के नेतृत्व में धौलपुर जिले की सभी पंचायतों में धार्मिक गुरुओं, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं समुदाय के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। बाड़ी ब्लॉक के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर रामबरन गोस्वामी द्वारा धार्मिक गुरुओं के साथ मिलकर बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक कर बाल विवाह जैसी कुप्रथा का पूर्ण उन्मूलन करना है।

जीवन का आधार ही राम नाम है, युवा आचार्य दीपेशदास



चमकता राजस्थान/अविनाश शर्मा। जयपुर बालाजी धाम अनजनेय धाम घोटेवाले बाबा निवारू रोड झोटवाड़ा मैं राम कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के पहले दिन कथा व्यास युवाआचार्य दीपेश दास ने बताया कि राम नाम अविनाशी है,

श्री श्री 1008 छगनदास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित राम कथा मैं कथा व्यास में कहां दुनिया इधर से उधर हो जाए सब कुछ बदल जाए पर यह राम नाम जो का जो तयो यूं ही सदा बना रहेगा,

कथा व्यास युवाआचार्य दीपेश दास ने कहा कि इस राम नाम की महिमा कभी भी कम नहीं होगी, बल्कि दिन प्रतिदिन इसकी महिमा अपरंपार है, प्रभु श्री राम स्वयं राम कह गए वो कैसे गलत हो सकती है

जीवन का आधार ही राम नाम है, हर जगह राम नाम की महिमा का गुणगान है, राम सिर्फ एक नाम नहीं है, राम नाम सबसे बड़ा मंत्र है,

राम नाम की महिमा तो यह है, कि सदाशिव भोले शंकर भी राम नाम जपते रहते हैं, इसी नाम का वो हर प्रहर जाप करते रहते हैं, संसार चल ही राम नाम से रहा है,

सूर्य, चंद्रमा, अग्नि ,वायु सभी में जो शक्ति है, वह राम नाम में समाहित है, जीवन में राम नाम का बहुत महत्व है, जीवन के हर पल और हर क्षण में राम नाम चलन में रहता है बच्चों के जन्म में श्री राम के नाम का सोहर होता है, विवाह आदि मांगलिक कार्यों के अवसर पर भी राम नाम के गीत गाए जाते हैं, यहां तक की मनुष्य की अंतिम यात्रा में भी राम नाम का ही घोष किया जाता है, राम सबसे बड़े हैं, राम में शिव और शिव में राम विद्यमान है,

श्री राम को शिव का महामंत्र माना गया है, और सर्वमुक्त हैं, राम सब की चेतना का संजीव नाम है

कथा स्थल पर सैकड़ो की तादाद में भक्तों की उपस्थिति रही यह कथा 3 दिसंबर तक प्रतिदिन 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगी

अगले वर्ष साकार होगा हवाई सेवा का सपना, दो वर्षों में भामाशाह मंडी का भी विस्तार

स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी कोटा को बनाएंगे नम्बर 1 शहर - बिरला

- 130 करोड़ की लागत से होगा निर्माण, 2 वर्ष में कार्य पूरा करने का लक्ष्य

स्पीकर बिरला ने क्रिकेट स्टेडियम और एक्वाटिक सेंटर का किया शिलान्यास

चमकता राजस्थान

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोटा के खेल इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं विश्वस्तरीय एक्वाटिक सेंटर के निर्माण कार्य का शिलान्यास लाखों क्रिकेट प्रेमियों और खेल प्रतिभाओं के वर्षों पुराने सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा संकल्प स्पोर्ट्स इन्फ्रा में कोटा को



नम्बर 1 बनाना और कोटा-बून्दी को देश के प्रमुख स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करना है। इसी दिशा में शहर से लेकर गाँव तक खेल सुविधाओं का विस्तार कर रहे हैं।

स्पीकर बिरला ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं एक्वाटिक सेंटर के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले दो वर्षों में कोटा विकास के विभिन्न क्षेत्रों में देश के अग्रणी शहरों में शामिल हो, इस लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। 130 करोड़ की लागत से क्रिकेट स्टेडियम और एक्वाटिक सेंटर का निर्माण 2 वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है।

● 1200 करोड़ से बनेगा एलिवेटेड रोड

बिरला ने कहा कि अगले वर्ष कोटा में एयरपोर्ट का वर्षों पुराना सपना साकार होने जा रहा है। जनवरी 2028 में हवाई सेवाएँ प्रारंभ करने का लक्ष्य है। करीब 350 करोड़ रुपये से रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। 1200 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित एलिवेटेड रोड के निर्माण से महज 15 मिनट में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे तक पहुंच सकेंगे। संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक गाँव और ढाणी को सड़क से जोड़ने का भी लक्ष्य है।

● भामाशाह मंडी का होगा विस्तार

बिरला ने कहा कि भामाशाह मंडी जल्द ही देश की प्रमुख मंडियों में शामिल होगी, इसके विस्तार का बरसों पुराना सपना शीघ्र पूरा होने जा रहा है। मंडी के विस्तार के लिए शीघ्र ही भूमि के फॉरेस्ट डायवर्जन की प्रक्रिया जल्द पूरी हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय संविधान राष्ट्र का पथप्रदर्शक और लोकतंत्र का नैतिक संबल :- वासुदेव देवनानी

- **संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता ने विविधताओं से भरे देश को एकता के सूत्र में बांधा : विधानसभा अध्यक्ष**

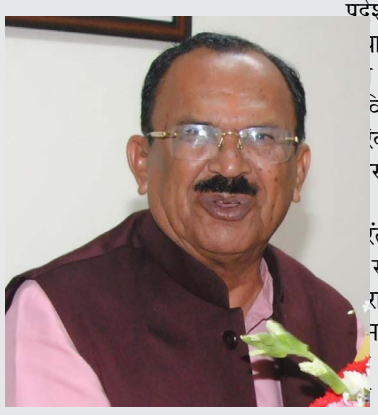

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संविधान दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक ाई एवं शुभकामनाएं हुए कहा कि भारतीय विधान सामाजिक वर्तन, आर्थिक विकास र विभिन्न चुनौतियों बावजूद राष्ट्र का तर मार्गदर्शन करने समय की कसौटी पर रा उतरा है। संविधान र्माताओं की दूरदर्शिता यह जीवंत प्रमाण है भारत विविधताओं के बावजूद विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में प्रतिष्ठित है।देवनानी ने कहा कि भारतीय संविधान हमारा पथप्रदर्शक और नैतिक संबल है। लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा, विधि के शासन और नागरिकों के जिम्मेदार आचरण पर निर्भर करती है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का अपने निर्धारित संवैधानिक दायरे में रहकर कार्य करना राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है।उन्होंने कहा कि संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसके कर्तव्यों और दायित्वों का भी बोध कराता है। अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता, संवैधानिक मूल्यों का सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन ही सशक्त भारत की पहचान है।विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि विद्यार्थियों और युवाओं को संविधान तथा संसदीय लोकतंत्र के मूल आदर्शों से जोड़ने के उद्देश्य से राजस्थान विधानसभा संग्रहालय में 'संविधान दीर्घा' का निर्माण कराया गया है। यह भावी पीढ़ी को भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली विकास यात्रा, राष्ट्रीय अस्मिता और लोकतांत्रिक संस्कारों से परिचित कराने की महत्वपूर्ण पहल है।देवनानी ने आ''ान किया कि प्रत्येक नागरिक संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करते हुए अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करे। सामूहिक संवैधानिक प्रतिबद्धता और जिम्मेदार नागरिक सहभागिता से ही लोकतंत्र मजबूत होगा तथा विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की शिष्टाचार भेंट



चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से बुधवार, 25 नवंबर को विधानसभा भवन में प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीनिवास ने पुष्पगुच्छ भेंट कर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी का अभिवादन किया।यह शिष्टाचार भेंट प्रदेश के संवैधानिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व के बीच पारस्परिक सौहार्द और समन्वय की गरिमामयी परंपरा का परिचायक रही।

जयपुर में गूंजेंगे साहिर के अमर नगमे, सजेगी उम्मीद और इंसानियत की महफिल

- **'वो सुबह कभी तो आएगी' थीम पर 28 नवंबर को होगा 'जश्ने-ए-साहिर', पुस्तक लोकार्पण,**
- **ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति और संगीतमय संध्या होगी आकर्षण**

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) इंसानियत, प्रेम, सामाजिक समानता और प्रगतिशील विचारों को अपनी कलम से आवाज देने वाले महान शायर एवं गीतकार साहिर लुधियानवी की स्मृति में जयपुर में शनिवार, 28 नवंबर को 'जश्ने-ए-साहिर झ वो सुबह कभी तो आएगी' सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। विकल्प नाट्य संगठन की ओर से सायं 5:30 बजे जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में साहिर की अमर शायरी, विचारों और सदाबहार नगमों के माध्यम से साहित्य, संगीत और इंसानियत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण प्रख्यात पत्रकार राजेश बादल द्वारा लिखित साहिर लुधियानवी की जीवनी'ज़िंदगी का साथ निभाता चला गया' का लोकार्पण होगा। इसके साथ ही राजेश बादल अपनी विशेष ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से साहिर के जीवन, साहित्यिक यात्रा, संघर्षों और विचारधारा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेंगे।सांस्कृतिक संध्या में शहर के प्रतिष्ठित गायक कलाकार राजीव भट्ट, रेखा भट्ट, मनमोहन सिंह रावत, केशव तैलंग, यशवर्धन, ओम गोस्वामी, डॉ. कविता माथुर, पप्पू सिंह, भारती शर्मा और मनोहर पोपली साहिर के लोकप्रिय एवं अमर नगमों की संगीतमय प्रस्तुति देंगे।विकल्प नाट्य संगठन के अध्यक्ष एवं मुख्य आयोजक एम.एल. गोयल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को साहिर की कालजयी रचनाओं, प्रगतिशील सोच और मानवतावादी दृष्टिकोण से परिचित कराना है। 'वो सुबह कभी तो आएगी' केवल एक गीत नहीं, बल्कि सामाजिक बराबरी, न्याय, शांति और बेहतर भविष्य की उम्मीद का संदेश है।कार्यक्रम के सह आयोजक एवं प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय सचिव प्रेमचंद गांधी ने कहा कि वर्षों बाद जयपुर में साहिर लुधियानवी की स्मृति में इस तरह का महत्वपूर्ण आयोजन हो रहा है। यह संध्या साहित्य और संगीत के माध्यम से साहिर के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है।यह आयोजन दर्शक कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट्स तथा राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम में आमजन एवं साहित्य-संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।साहिर के शब्दों में कहें तो यह शाम केवल गीतों की महफिल नहीं, बल्कि उस इंसानी सुबह की तलाश होगी, जिसका सपना उन्होंने अपनी शायरी में देखा था।

जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस का परचम, यशवीर सूरा बने जिला प्रमुख

- **42 मत हासिल कर भाजपा प्रत्याशी को 28 मतों से दी शिकस्त,**
- **56 में से सभी मत वैध; लोकतांत्रिक प्रक्रिया से संपन्न हुआ निर्वाचन**
- **उप जिला प्रमुख का चुनाव आज, 26 नवंबर को होगा**

चमकता राजस्थान





जयपुर। (खलील कुरैशी) 25 नवंबर। जिला परिषद जयपुर के जिला प्रमुख पद के निर्वाचन में कांग्रेस प्रत्याशी यशवीर सूरा ने शानदार जीत दर्ज करते हुए जिला प्रमुख पद हासिल किया। सूरा को कुल 56 मतों में से 42 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा प्रत्याशी राजेश कुमार गुर्जर को 14 मत मिले। इस प्रकार सूरा ने 28 मतों के निर्णायक अंतर से जीत दर्ज कर जिला परिषद में कांग्रेस का परचम लहराया।जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं रिटर्निंग अधिकारी संदेश नायक ने बताया कि जिला प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए आयोजित बैठक में जिला परिषद के कुल 57 निर्वाचित सदस्यों में से 56 सदस्य उपस्थित रहे। भाजपा की ओर से वार्ड संख्या 22 के निर्वाचित सदस्य राजेश कुमार गुर्जर तथा कांग्रेस की ओर से वार्ड संख्या 28 के निर्वाचित सदस्य यशवीर सूरा ने नामांकन-पत्र प्रस्तुत किए। संवीक्षा के दौरान दोनों प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए।निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतदान एवं मतगणना संपन्न होने पर यशवीर सूरा को 42 और राजेश कुमार गुर्जर को 14 मत प्राप्त हुए। मतदान में कुल 56 मत पड़े और सभी मत वैध पाए गए। ठडळअ के पक्ष में कोई मत नहीं पड़ा। इसके बाद रिटर्निंग अधिकारी ने यशवीर सूरा को जिला परिषद जयपुर के जिला प्रमुख पद पर विधिवत निर्वाचित घोषित कर नियमानुसार शपथ दिलाई।

- **उप जिला प्रमुख निर्वाचन की तैयारियां पूरी**

जिला परिषद के उप जिला प्रमुख पद का निर्वाचन गुरुवार, 26 नवंबर को जिला परिषद कार्यालय जयपुर में आयोजित होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक के अनुसार सुबह 10 बजे बैठक प्रारंभ होगी तथा 11 बजे तक नामांकन-पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। सुबह 11 से 11:30 बजे तक नामांकन-पत्रों की संवीक्षा और 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक अभ्यर्थिता वापस लेने की प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद आवश्यकता होने पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान कराया जाएगा। मतदान के तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा।निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी निर्वाचित सदस्यों के लिए अपना निर्वाचन प्रमाण-पत्र एवं फोटोयुक्त पहचान-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।जिला प्रमुख पद का निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न होना जिला परिषद की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थागत प्रक्रिया की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब सभी की निगाहें 26 नवंबर को होने वाले उप जिला प्रमुख के निर्वाचन पर टिकी हैं।

स्वच्छ जयपुर के संकल्प के साथ एक्शन मोड में महापौर सुनील कोठारी

चमकता राजस्थान





- **15 से अधिक स्थानों का पांच घंटे तक किया औचक निरीक्षण,**
- **सफाई में लापरवाही पर अधिकारियों को लगाई फटकार; बंद शौचालय का मौके पर खुलवाया ताला**
- **हर अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय होगी, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई:—सुनील कोठारी**
- **'ना कचरा डालेंगे, ना डालने देंगे' को जनआंदोलन बनाने की आमजन से अपील**

जयपुर। (खलील कुरैशी) जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के संकल्प के साथ नगर निगम महापौर सुनील कोठारी ने सफाई व्यवस्था को लेकर एक्शन मोड अपनाते हुए बुधवार को सिविल लाइंस एवं विद्याधर नगर जोन के 15 से अधिक स्थानों का पांच घंटे तक औचक निरीक्षण किया। सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक चले निरीक्षण में उन्होंने सफाई व्यवस्था की जमीनी स्थिति परखी और अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।महापौर ने तिलक मार्ग पर खुले कचरा डिपो और सीएंडडी वेस्ट, अशोक उद्यान के आसपास गंदगी तथा सी-स्कीम के नाले में कचरा डालने के मामलों पर सख्ती दिखाई। रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने, डस्टबिन लगाने और दुकानदारों को गीले-सूखे कचरे के पृथक संग्रहण के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बंद पड़े सार्वजनिक शौचालय का ताला मौके पर खुलवाकर आमजन को सुविधा उपलब्ध कराई तथा अतिक्रमण के मामले में एक दुकान से 20 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूल किया गया।कोठारी ने सड़कों से अवैध थड़ी-ठेले एवं अतिक्रमण हटाने, सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर चालान करने, आवारा पशुओं को पकड़ने, चारा विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई तथा फुटपाथों एवं मीडियनों में पेड़-पौधों की नियमित कटाई-छंटाई के निर्देश भी दिए।महापौर ने स्पष्ट कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी और उदासीनता बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि कचरा खुले में न डालें, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों का उपयोग करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें।उन्होंने कहा कि 'ना कचरा डालेंगे, ना डालने देंगे' केवल नारा नहीं, बल्कि स्वच्छ जयपुर के निर्माण का सामूहिक संकल्प बनना चाहिए। स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर जनभागीदारी और जिम्मेदारी से जुड़ा कार्य है। नगर निगम प्रशासन की सक्रियता के साथ नागरिकों का सहयोग मिलेगा तो जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श शहर बनाया जा सकेगा।

- **ये अधिकारीगण रहें मौजूद**

निरीक्षण के दौरान पार्षद सुभाष सिंगी, अतिरिक्त आयुक्त शैफाली कुशवाहा, उपायुक्त स्वास्थ्य ओम थानवी, उपायुक्त पवन कुमार शर्मा, संबंधित जोन उपायुक्त, उपायुक्त पशु प्रबंधन करणी सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जोड़ फोरलेन सड़क पर दर्दनाक हादसा, पूर्व सैनिक के 18 वर्षीय पुत्र की मौत

मेदिनीनगर/संवाददाता। सदर थाना क्षेत्र के जोड़ गांव स्थित फोरलेन सड़क पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के छोटकी पालहे गांव निवासी पूर्व सैनिक बृजेश शुक्ला के पुत्र खुशदिल शुक्ला (18 वर्ष) के रूप में हुई है।घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आसपास के ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी ली।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।वहीं, घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पूर्व सैनिक के पुत्र की असामयिक मौत से परिजनों और गांव में शोक का माहौल है।

बीजेपी जैसी मशीन से लड़ना है, जीत के लिए होता है अलायंस...

- **कांग्रेस से डील पर क्या बोले अखिलेश यादव?**

लखनऊ। सपा और कांग्रेस की सीट शेयरिंग को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने साफ किया है कि दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर बातचीत जारी है और इसका मकसद सिर्फ एक है, जीत सुनिश्चित करना. उन्होंने कहा कि गठबंधन का मतलब ही यही है कि सहयोगी दल आपसी तालमेल और समझदारी से ऐसी रणनीति बनाएं जिससे विपक्षी दल को हराया जा सके. अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है और वे कांग्रेस के नेताओं के साथ लगातार संवाद में हैं. उन्होंने कहा कि अभी यह बताना जल्दबाजी होगी कि किस सीट पर क्या सहमति बन रही है और कौन-सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ सकती है. अखिलेश यादव ने कहा, 'हमारी पार्टी के जो सीनियर नेता हैं और जिन्हें बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है, वे चर्चा कर रहे हैं. अभी बातचीत चल रही है. किस सीट पर सहमति बन रही है और कौन-सा दल कितनी सीटें जीत सकता है, इस पर विचार हो रहा है. अभी कुछ कहना मुश्किल है.' उन्होंने आगे कहा कि राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन का मकसद सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं होता, बल्कि जीत की मजबूत जमीन तैयार करना होता है. उनके मुताबिक, 'अलायंस इसलिए होता है कि हम जीतें. हम सब मिलकर ऐसा एडजस्टमेंट करें, एक-दूसरे को इस तरह मदद करें कि सामने वाले को हरा सकें. बीजेपी जैसी मशीन को हरा सकें. यही राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है.'

शिप्रा पथ की 100 फीट रोड पर कचरा बीनने वालों का जमावड़ा: मानसरोवर निगम प्रशासन की अकर्मण्यता उजागर

आर.एच.बी. न्यू आतिश मार्केट से जुड़ी प्रमुख सड़क पर अव्यवस्था और कब्जे जैसे हालात,

- **जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी पर उठ रहे हैं गंभीर सवाल: स्वच्छता के दावे धरातल पर बेअसर**

चमकता राजस्थान





जयपुर। (खलील कुरैशी) राजधानी जयपुर के शिप्रा पथ स्थित आर.एच.बी. न्यू आतिश मार्केट से जुड़ी 100 फीट रोड पर कचरा बीनने वालों के जमावड़े और अव्यवस्थित गतिविधियों ने सार्वजनिक मार्ग की व्यवस्था को बदहाल कर दिया है। सड़क पर कचरा एकत्र होने और आवागमन स्थल पर जमावड़े से क्षेत्र की स्वच्छता एवं यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। विडंबना यह है कि इस गंभीर जनसमस्या के बावजूद नगर निगम के मानसरोवर जोन प्रशासन की उदासीनता और अनदेखी समाप्त होने का नाम नहीं ले रही।

- **जिम्मेदारों की आंखों के सामने अव्यवस्था, कार्रवाई नदारद**

क्षेत्र में लगातार बनी इस स्थिति ने मानसरोवर निगम प्रशासन की कार्यशैली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सार्वजनिक सड़कों को स्वच्छ, सुरक्षित और अतिक्रमणमुक्त रखना नगर निगम की बुनियादी जिम्मेदारी है, लेकिन शिप्रा पथ की 100 फीट रोड की स्थिति देखकर लगता है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने इस मार्ग को अपनी प्राथमिकताओं से ही बाहर कर दिया है। आखिर नियमित निरीक्षण और सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी कहां हैं?

- **स्वच्छता अभियान के दावों की खुल रही पोल**

एक ओर स्वच्छ एवं सुंदर जयपुर के लिए अभियान और जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, दूसरी ओर प्रमुख मार्ग पर कचरे का जमावड़ा और अव्यवस्थित गतिविधियां प्रशासनिक सक्रियता के दावों को आईना दिखा रही हैं। यह स्थिति केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुविधाओं के प्रति प्रशासनिक संवेदनशीलता की भी परीक्षा है। आरएचबी और निगम प्रशासन की संयुक्त जवाबदेही जरूरी आर.एच.बी. न्यू आतिश मार्केट से जुड़ी इस सड़क की व्यवस्था को लेकर राजस्थान आवासन मंडल और नगर निगम मानसरोवर जोन प्रशासन को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में तत्काल जिम्मेदारी निभानी चाहिए। केवल एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने से समस्या का समाधान नहीं होगा। संबंधित अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर कचरा संग्रहण की अव्यवस्थित गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई, सड़क की सफाई और सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमणमुक्त रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

- **जनता को राहत कब, प्रशासन कब जागेगा?**

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सार्वजनिक मार्ग पर अव्यवस्था स्पष्ट दिखाई दे रही है तो मानसरोवर निगम प्रशासन अब तक कार्रवाई से क्यों बच रहा है? क्या किसी बड़ी दुर्घटना या जनविरोध के बाद ही जिम्मेदार अधिकारियों की नींद खुलेगी? जनहित की मांग है कि निगम प्रशासन तत्काल संज्ञान लेकर नियमित मॉनिटरिंग, जवाबदेही और स्थायी समाधान सुनिश्चित करे।

मानसरोवर निगम प्रशासन की कार्यशैली पर उठ रहे हैं सवाल – क्या शहर की स्वच्छता और नागरिकों की सुविधाएं केवल सरकारी अभियानों एवं कागजी दावों तक सीमित हैं? शिप्रा पथ की 100 फीट रोड की बदहाल स्थिति पर जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी और उदासीनता अब स्वीकार्य नहीं हो सकती। आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित और अतिक्रमणमुक्त सड़क उपलब्ध कराना प्रशासन का दायित्व है, कोई एहसान नहीं।

किताबें समान, परिणाम अलग!

आखिर सफलता और असफलता के बीच का अंतर कहां छिपा है?



ABHISHEK K. JHA
Senior Faculty
Udaan IAS, Ranchi

उज्ज्वल और रौशन ने लगभग एक ही समय पर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू की थी। दोनों ने एक ही कोचिंग संस्थान में दाखिला लिया, एक ही शिक्षक से पढ़ाई की, समान किताबें खरीदीं और लगभग एक जैसे नोट्स बनाए। दोनों का सपना भी एक था-सिविल सेवा में चयनित होना। पांच साल बीत गए। उज्ज्वल आज भी उसी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। हर नए प्रयास के साथ वह अपनी रणनीति बदलता है, नई अध्ययन सामग्री जुटाता है और एक बार फिर परीक्षा में बैठने की तैयारी करता है। दूसरी ओर, रौशन ने तैयारी शुरू करने के शुरुआती दौर में ही परीक्षा पास कर ली और अब अपनी पेशेवर जिंदगी में आगे बढ़ रहा है। सवाल यह नहीं कि उज्ज्वल ने मेहनत नहीं की या रौशन अधिक प्रतिभाशाली था। सवाल यह है कि जब दोनों के शिक्षक, किताबें, नोट्स और लक्ष्य लगभग समान थे, तो उनकी यात्राओं के परिणाम इतने अलग क्यों रहे?



पढ़ना और सीखना एक बात नहीं

प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिकांश विद्यार्थी घंटों पढ़ाई करते हैं, लेकिन पढ़ने का समय हमेशा सीखने की गुणवत्ता का प्रमाण नहीं होता। एक विद्यार्थी अध्याय पढ़कर आगे बढ़ जाता है, जबकि दूसरा स्वयं से सवाल करता है कि यह विषय क्यों महत्वपूर्ण है, इसके पीछे कौन-से कारण हैं और इसका दूसरे विषयों से क्या संबंध है। मसलन, संविधान के मौलिक अधिकार पढ़ने वाले दो विद्यार्थियों में से एक अनुच्छेदों को याद करता है, जबकि दूसरा उनके पीछे की संवैधानिक भावना, न्यायिक व्याख्या और वर्तमान प्रासंगिकता को समझने का प्रयास करता है। अंतर केवल पढ़ने में नहीं, बल्कि विषय को आत्मसात करने में है।

नोट्स का संग्रह नहीं, ज्ञान का निर्माण जरूरी

कई अभ्यर्थियों के पास हजारों पन्नों के नोट्स और सैकड़ों पीडीएफ मौजूद हैं। फिर भी प्रश्न का स्वरूप बदलते ही वे उत्तर तैयार करने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसका कारण है कि जानकारी इकट्ठा करना और उसका विश्लेषण करना अलग-अलग क्षमताएं हैं।
रौशन जैसा विद्यार्थी पढ़ी हुई सामग्री को अपने शब्दों में समझने, मुख्य बिंदुओं को व्यवस्थित करने और अलग-अलग विषयों के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास कर सकता है। वहीं, केवल शिक्षक के नोट्स को

किताबें समान, परिणाम अलग! 1

याद करने वाला विद्यार्थी नए संदर्भ में प्रश्न पूछे जाने पर उलझ सकता है। इसलिए नोट्स की मात्रा से अधिक महत्वपूर्ण है उनका उपयोग।

पुनरावृत्ति और अभ्यास से बनता है अंतर

पाठ्यक्रम पूरा कर लेना और परीक्षा के समय उसे याद रख पाना दो अलग बातें हैं। कई विद्यार्थी नए विषय पढ़ते जाते हैं, लेकिन पुराने विषयों की पुनरावृत्ति नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप परीक्षा के समय पढ़ी हुई जानकारी भी याद नहीं आती।
नियमित पुनरावृत्ति, किताब बंद करके स्वयं से सवाल करना और मॉक टेस्ट देना तैयारी के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। लेकिन केवल टेस्ट देना पर्याप्त नहीं। उसके बाद गलतियों का विश्लेषण करना अधिक जरूरी है। क्या गलती विषय की समझ में थी, तथ्य याद नहीं था, प्रश्न ठीक से नहीं पढ़ा गया या समय प्रबंधन कमजोर था? इन सवालों के जवाब ही अगली तैयारी को बेहतर बनाते हैं।

ज्ञान और परीक्षा में प्रदर्शन का अंतर

किसी विषय का ज्ञान होना और परीक्षा में उसका सही उपयोग कर पाना अलग क्षमताएं हैं। प्रारंभिक परीक्षा में प्रश्नों की भाषा समझना, विकल्पों का विश्लेषण और समय प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं। वहीं मुख्य परीक्षा में प्रश्न की मांग के अनुसार तथ्य, विश्लेषण, उदाहरण और निष्कर्ष को व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करना जरूरी है। परीक्षा का अभ्यास तैयारी पूरी होने के बाद शुरू नहीं होता, बल्कि तैयारी के साथ-साथ चलता है। एक अच्छा शिक्षक विषय को समझने का रास्ता दिखाता है, लेकिन उस ज्ञान को अपनी क्षमता में बदलने के लिए विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

रणनीति बदलें, लेकिन कारण समझकर

कुछ विद्यार्थी वर्षों तक एक ही पद्धति से तैयारी करते रहते हैं, जबकि कुछ हर कम अंक के बाद नई किताब और नया शिक्षक तलाशने लगते हैं। दोनों स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जरूरत है अपनी कमियों को पहचानने की। यदि समस्या विषय की समझ में है तो अध्ययन पद्धति सुधारें, यदि पुनरावृत्ति कमजोर है तो समय-सारणी बदलें और यदि उत्तर लेखन में कमी है तो नियमित अभ्यास करें। बिना कारण समझे स्रोत बदलते रहना तैयारी को और बिखेर सकता है।



हर असफलता केवल तैयारी की कमी नहीं

यह भी समझना जरूरी है कि सभी विद्यार्थियों की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। किसी के पास शांत अध्ययन कक्ष और पर्याप्त संसाधन हैं, तो किसी को पारिवारिक जिम्मेदारियों और आर्थिक दबाव के बीच पढ़ना पड़ता है। कोई नौकरी के साथ तैयारी करता है, तो किसी को डिजिटल सुविधाओं और मार्गदर्शन की कमी से जूझना पड़ता है। इसके अतिरिक्त सीमित सीटें और बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भी परिणामों को प्रभावित करते हैं। इसलिए चयन न होना हमेशा मेहनत या प्रतिभा की कमी का प्रमाण नहीं है।

किताबें समान, परिणाम अलग! 2

अंततः सवाल केवल यह नहीं कि रौशन ने क्या अलग किया, बल्कि यह भी है कि उज्ज्वल अपनी तैयारी में क्या सुधार कर सकता है और हमारी शैक्षणिक व्यवस्था उसे कितने अवसर उपलब्ध करा रही है। चयनित विद्यार्थियों की रणनीति से सीखना चाहिए, लेकिन असफल अभ्यर्थियों के संघर्ष को कमतर नहीं आंकना चाहिए। क्योंकि एक जैसी किताबें पढ़ने से सभी का ज्ञान एक जैसा नहीं हो जाता और एक जैसी मेहनत करने से सभी के परिणाम समान नहीं आते। सफलता की दिशा में असली बदलाव तब शुरू होता है, जब विद्यार्थी अपनी तैयारी को समझता है, गलतियों से सीखता है और लगातार बेहतर बनने का प्रयास करता है।



सचिन पायलट का भाजपा पर तीखा हमला: "जनता ने घमंड और अहंकार को नकारा, अब भाजपा की उल्टी गिनती शुरू"

पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस की जीत को बताया राजस्थान की जनता का जनादेश; बोले—ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन लौटाएंगे, 2029 में INDIA गठबंधन की सरकार बनाने का लक्ष्य

चमकता राजस्थान

जयपुर। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने बुधवार को जयपुर में मीडिया से रूबरू होते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस को मिली सफलता को जनता का स्पष्ट जनादेश बताते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता ने भाजपा के शासन, नीतियों और अहंकार को आईना दिखा दिया है। अब भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

पायलट ने कहा कि राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में आए चुनाव परिणाम केवल प्रदेश की भाजपा सरकार के तीन साल के कार्यकाल का आकलन नहीं हैं, बल्कि यह पूरे देश में भाजपा शासन के प्रति बढ़ते असंतोष का संकेत हैं। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा का सूपड़ा साफ होना इस बात का प्रमाण है कि जनता बदलाव चाहती है।

● किसानों, युवाओं और बेरोजगारों के मुद्दों पर भाजपा को घेरा

सचिन पायलट ने कहा कि देश में पिछले 12 वर्षों के भाजपा शासन के दौरान मनरेगा को कमजोर किया गया, किसानों पर प्रहार हुए और तीन कृषि कानूनों के जरिए किसान आंदोलन को जन्म दिया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ अन्याय, पेपर लीक, लाठीचार्ज और पुलिस बल प्रयोग जैसे मुद्दों ने नौजवानों में असहजता पैदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में कानून-व्यवस्था की स्थिति और युवाओं के साथ हुए धोखे को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है। इसी भावना का प्रतिबिंब पंचायती राज चुनावों में देखने को मिला है।

● "डबल इंजन सरकार पूरी तरह फेल"

पायलट ने कहा कि भाजपा जिस डबल इंजन सरकार का दावा करती थी, वह पूरी तरह विफल



साबित हुई है। जनता ने अपने मतदान के माध्यम से सरकार की नाकामियों पर मुहर लगा दी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनावों से पहले झूठे वादे किए, घोषणाएं कीं और सदन के पटल पर रोजगार सहित कई मुद्दों पर आश्वासन दिए, लेकिन जनता को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। चार लाख नौकरियों के वादे का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

पायलट ने भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि नेता तथा अधिकारी मिलकर प्रदेश की जनता को लूट रहे हैं।

● कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत को दिया जीत का श्रेय

सचिन पायलट ने कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि यह जीत ''टीम राजस्थान'' की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। पार्टी के सभी नेताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा और जनता के बीच आशा की किरण जगाई।

उन्होंने कहा कि जहां-जहां कांग्रेस को बहुमत मिला है, वहां जिला प्रमुख और प्रधान कांग्रेस के बनेंगे। जनता ने कांग्रेस को भाजपा के विकल्प के रूप में स्वीकार किया है और अब पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरे।

● नगर निकाय चुनावों में धांधली के आरोप

पायलट ने आरोप लगाया कि नगर निकाय चुनावों के दौरान भाजपा ने पुलिस और प्रशासन का उपयोग किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पार्षदों का अपहरण किया गया और उन्हें मतदान से रोकने की कोशिश हुई।

उनके अनुसार, तमाम कथित धांधलियों के बावजूद शहरों में भाजपा और कांग्रेस के वोटों का अंतर एक प्रतिशत से कम रहा, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस को लगभग पांच प्रतिशत अधिक वोट मिले।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग, पुलिस, प्रशासन और सरकार के दबाव के बावजूद कांग्रेस के निर्वाचित सदस्य एकजुट रहेंगे और अपने उम्मीदवारों को जिताएंगे।

● परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा

सचिन पायलट ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनगणना पूरी होने से पहले परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाना उचित नहीं है।

पायलट ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन के जरिए संसद में सीटों की संख्या बढ़ाकर राजनीतिक हित साधने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का कांग्रेस समर्थन करती है, लेकिन परिसीमन की प्रक्रिया संवैधानिक और पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए।

उन्होंने विपक्ष की एकजुटता का दावा करते हुए कहा कि लोकतंत्र की जीत होगी और जनता सरकार की नीतियों का जवाब देगी।

● राजस्थान में नेतृत्व के सवाल पर बोले—अभी चुनाव दूर

राजस्थान में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर पूछे गए सवाल पर पायलट ने कहा कि विधानसभा चुनाव अभी लगभग दो साल दूर हैं। फिलहाल पार्टी का ध्यान पंचायत और जिला परिषद चुनावों में मिली जिम्मेदारियों को पूरा करने पर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन, विकास और जनता की समस्याओं का समाधान करना है। मनरेगा को फिर से प्रभावी रूप से लागू करने और किसानों की एमएसपी संबंधी मांगों पर जनता से संवाद करने की बात भी उन्होंने कही।

● पंजाब में भाजपा-अकाली गठबंधन को बताया अवसरवादिता

पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने भाजपा और अकाली दल के गठबंधन पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल किया कि जिन मुद्दों पर अकाली दल ने भाजपा से नाता तोड़ा था, क्या वे सभी मुद्दे समाप्त हो गए हैं?

पायलट ने कहा कि कृषि कानूनों, किसानों की मौत, एमएसपी की गारंटी और पंजाब को विशेष आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर भाजपा ने कोई ठोस समाधान नहीं दिया। उन्होंने इस गठबंधन को राजनीतिक मजबूरी और अवसरवादिता का उदाहरण बताया।

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार पर भी उन्होंने कानून-व्यवस्था और नशे के मुद्दे को लेकर आरोप लगाए। पायलट ने दावा किया कि राज्य में जनता बदलाव के लिए तैयार है और कांग्रेस वहां एक मजबूत विकल्प बनकर उभरेगी।

● 2029 में INDIA गठबंधन की सरकार बनाने का लक्ष्य

सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य केवल राजस्थान तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में पार्टी जनता के समर्थन से सरकार बनाने की दिशा में काम करेगी।

उन्होंने कहा कि 2029 में विपक्ष की जीत और INDIA गठबंधन की सरकार बनाना पार्टी का लक्ष्य है। पायलट ने विश्वास जताया कि जनता भाजपा के शासन से असंतुष्ट है और आने वाले समय में बदलाव के पक्ष में मतदान करेगी।

● "यह जीत राजस्थान के लोगों और युवाओं की जीत"

अपने संबोधन के अंत में सचिन पायलट ने कहा कि पंचायती राज चुनावों का परिणाम राजस्थान के लोगों, किसानों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों की जीत है। उन्होंने भाजपा को आत्मचिंतन करने की सलाह देते हुए कहा कि जनता किसी की जेब में नहीं है और न ही वह किसी के कहने पर मतदान करती है।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता जनता के सेवक बनकर काम करेंगे। अब पार्टी की जिम्मेदारी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, रोजगार और सुशासन को मजबूत करे तथा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस घमंड और अहंकार का परिचय दिया था, जनता ने उसे अस्वीकार कर दिया है। पंचायती राज चुनावों के परिणामों ने प्रदेश की राजनीति में बदलाव का स्पष्ट संदेश दे दिया है।

संक्षिप्त समाचार

धरियावद पंचायत समिति के कांग्रेस विजेता सदस्यों ने ली शपथ, उपखंड अधिकारी ने सौंपे प्रमाण पत्र



चमकता राजस्थान/धरियावद। पंचायत समिति में कांग्रेस के विजेता सदस्यों ने उपखंड अधिकारी संदीप बेरद के समक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। इस दौरान उपखंड अधिकारी बेरड ने सभी विजेता सदस्यों को निर्वाचन संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान किए। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान विजेताओं एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला।इसी अवसर पर कार्यालय परिसर मे कांग्रेस दिग्ज नेता कार्यकर्ता सहित उपस्थित रहे जिसमे कांग्रेस पूर्व जिला अध्यक्ष ठा. भानु प्रताप सिंह राणावत राजमहल ठा. सा एवं ठा. पुखराज सिंह राणावत बिलू बना बावड़ी वाले युआ नेता पूर्व विधायक नगराज मीणा ब्लॉक अध्यक्ष घनश्यामपुरी समाज सेवी नगरपालिका चेयर मेन प्रतियाक्षी हरिराम चौधरी वर्षीठ नेता भवर भाई पचोरी दिलीप पटवा प्रकाश कोठारी तेजकरण चौधरी सुजीत कोठारी दिव्या सोनी मंजू कुंवर राठौड़ अनील वक्तावत मनोज जिनगर नावेद मोहमद विपिन जैन मनोज कोठारी हरीश लबाना सहित सेकड़ो कि तादाद मे उपस्थित रहे वही कार्यालय मे बाबु पृथ्वी राज सिंह राठौड़ वीरेंद्र जारोली सहित ऑफिस के स्टाप के समक्ष शपथ ली गईं

ब्यावर में 1827 से चली आ रही पारंपरिक तेल निकालने की विरासत को 'सोल' के रूप में नई पहचान, होटल राजमहल में हुआ भव्य शुभारंभ



चमकता राजस्थान/ब्यावर। सेंदड़ा रोड स्थित होटल राजमहल में मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को पारंपरिक कच्ची घानी शुद्धता और महिला सशक्तिकरण को समर्पित नए उद्यम 'ऑर्गेनिक सोल - प्योर कोल्ड-प्रेस्ड ऑयल्स' (WEOPCOS'S ORGANIC SOUL - Beawar) का भव्य शुभारंभ किया गया। आयोजन से जुड़ी जानकारी के अनुसार, वर्ष 1827 से चली आ रही परिवार की पारंपरिक तेल निकालने की विरासत को सहेजते हुए यह महिला-स्वामित्व वाला हेरिटेज ऑयल उद्यम शुरू किया गया है, जहां महिलाएं केवल कर्मचारी नहीं बल्कि इस पूरे उद्यम की स्वामिनी हैं। परिवार के बुजुर्गों की शुद्धता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 'सोल' द्वारा सर्वश्रेष्ठ बीजों का चयन कर बिना किसी मिलावट के शुद्ध कच्ची घानी तेल तैयार किया जा रहा है। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तेल के प्रत्येक टिन पर उसका बैच नंबर अंकित किया गया है, ताकि उपभोक्ताओं को पूर्ण शुद्ध उत्पाद मिल सके। 'न कुछ मिलाया गया, न कुछ छुपाया गया, सब कुछ शुद्ध' की अवधारणा के साथ होटल राजमहल परिवार की यह नई पहल साहू समाज की पारंपरिक कच्ची घानी कला को आधुनिक स्वरूप में ब्यावर के घर-घर तक पहुँचाने का कार्य करेगी।

जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस की जीत से उत्साहित डोटासरा, बोले- भाजपा को जनता ने नकारा

37 जिलों के परिणामों में कांग्रेस को 43.40% और भाजपा को 37.79% वोट मिलने का दावा; 1275 वार्डों में कांग्रेस ने 62.43% पर दर्ज की जीत

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने जिला प्रमुखों के चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत पर प्रदेशवासियों का आभार जताया और नव-निर्वाचित जिला प्रमुखों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने चुनाव परिणामों को भाजपा सरकार के खिलाफ ग्रामीण जनता का जनादेश बताते हुए कहा कि जनता ने भाजपा को पूरी तरह नकार दिया है।

डोटासरा ने कहा कि अभी घोषित 37 जिलों के परिणामों के अनुसार कांग्रेस को 43.40 प्रतिशत और भाजपा को 37.79 प्रतिशत मत मिले हैं। कांग्रेस भाजपा से 14 लाख से अधिक वोटों से आगे है तथा मत प्रतिशत में 5.60 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि जिला परिषद के 1275 वार्डों में कांग्रेस ने 62.43 प्रतिशत वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि भाजपा केवल 28.15 प्रतिशत वार्डों में ही जीत सकी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में भाजपा का मत प्रतिशत 48.22 था, जो अब घटकर 37.79 प्रतिशत रह गया है। डोटासरा ने इसे भाजपा के जनाधार में गिरावट बताते हुए कहा कि लोकसभा चुनावों के मुकाबले भी भाजपा का मत प्रतिशत 21



प्रतिशत नीचे चला गया है।

● भरतपुर में कांग्रेस की जीत का किया जिक्र

डोटासरा ने भरतपुर जिला परिषद में कांग्रेस की जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने जिला प्रमुख का उपचुनाव तीन साल तक नहीं करवाया, क्योंकि उसे हार का डर था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में कांग्रेस सदस्यों को तोड़ने के लिए दबाव और झूठे मुकदमों की धमकियां दी गईं, लेकिन इसके बावजूद भरतपुर जिला परिषद के 18 कांग्रेस सदस्यों ने कांग्रेस उम्मीदवार को जिला प्रमुख बनाकर भाजपा को पराजित किया।

उन्होंने कहा कि भरतपुर के जनप्रतिनिधियों ने ईमानदारी का परिचय दिया और भाजपा की कथित बेईमानी सफल नहीं हो सकी। डोटासरा ने चूरू में कुछ लोगों पर कांग्रेस के साथ गद्दा-री करने का आरोप लगाया, वहीं ब्यावर में अंतरात्मा की आवाज पर कांग्रेस के पक्ष में मतदान होने की बात कही। डीडवाना-कुचामन में बराबरी के बाद पर्ची से फैसला होने का भी उल्लेख किया।

● 10 जिलों में भाजपा से कांग्रेस ने छीनी जीत

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से भाजपा जिन 13 जिलों में जीत रही थी, उनमें से अब 10 जिलों में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। इनमें भरतपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, चूरू, जयपुर, जालोर, राजसमंद, सीकर, सिरोही और टोंक शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ में भाजपा 15 वर्षों से जीत रही थी, लेकिन इस बार कांग्रेस ने जिला परिषद चुनाव में जीत हासिल की। वहीं, नवगठित आठ जिलों में से चार में कांग्रेस को बहुमत मिला है। डोटासरा ने पंचायत समितियों के परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि 300 से अधिक पंचायत समितियों में कांग्रेस का बहुमत है, जबकि भाजपा लगभग 60 पंचायत समितियों में बहुमत हासिल कर सकी है।

● मुख्यमंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेने की मांग

डोटासरा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष द्वारा हार की जिम्मेदारी लेने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री से भी नैतिक जिम्मेदारी लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्री अपने परिजनों को चुनाव लड़वा रहे थे, लेकिन जनता ने स्पष्ट कर दिया कि सरकार में बैठे मंत्री जनता के सेवक हैं, मालिक नहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, अपराधों में इजाफा हो रहा है तथा सरकार सुशासन देने में विफल रही है। डोटासरा ने गैंगस्टर वारदातों, लूट, अपहरण, डकैती और जेलों से धमकियां मिलने जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए राज्य सरकार पर कानून-व्यवस्था संभालने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।

● कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाने का आ''ान

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस इस जीत से घमंड में नहीं आएगी, बल्कि इसे जनता द्वारा दी गई जिम्मेदारी मानेगी। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से गांव, गली, मोहल्ले और वार्डों में जाकर भाजपा सरकार की नीतियों और कथित कुशासन को उजागर करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जिम्मेदारी अब और बढ़ गई है। जनता ने कांग्रेस को स्वीकार करते हुए उम्मीद जताई है कि पार्टी आम लोगों की पीड़ा में उनके साथ खड़ी रहेगी।

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के नाते वे भरोसा दिलाते हैं कि कांग्रेस आम जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। उन्होंने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में वोट चोरी, मनरेगा बंद करने, संविधान पर कथित हमलों तथा दलितों और पिछड़ों को न्याय दिलाने के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने की बात कही।

स्वस्थ युवा, आत्मनिर्भर बेटियां और संस्कारवान समाज—एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ते कदम

युवाओं को व्यायाम एवं पहलवानी से जोड़ने, बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए प्रेरित करने और समाज में स्वास्थ्य व संस्कारों के प्रति जागरूकता फैलाने में जुटे मनीष कुमार सोनी (अंगद)

चमकता राजस्थान

मांडल महेश कुमार बिड़ला संवाददाता माण्डल। किसी भी समाज की असली शक्ति उसके स्वस्थ युवा, आत्मनिर्भर बेटियां और संस्कारवान पीढ़ी होती है। इसी सोच के साथ मांडल मनीष कुमार सोनी (अंगद) वर्षों से युवाओं को व्यायाम, पहलवानी और अनुशासित जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि युवा नशे, गलत संगत और बुरी आदतों से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें तथा शारीरिक और मानसिक रूप से इतने सक्षम बनें कि स्वयं के साथ अपने परिवार और समाज की सहायता कर सकें।

● बेटियों में आत्मविश्वास और आत्मरक्षा का सामर्थ्य

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाने तथा विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करने के लिए सक्षम बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। उनका मानना है कि बेटियों को केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का सामर्थ्य भी मिलना चाहिए।

● स्वास्थ्य के साथ संस्कार और अध्यात्म भी जरूरी

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों को भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए समाज में सामूहिक धार्मिक आयोजनों को प्रोत्साहित किया जाता है। इसी क्रम में प्रत्येक शनिवार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, प्रत्येक मंगलवार सुंदरकांड पाठ तथा समय-समय पर भजन-कीर्तन के माध्यम से समाज के लोग सामूहिक रूप से भक्ति, अध्यात्म और सनातन संस्कृति से जुड़ते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य आपसी प्रेम, एकता, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करना है।

संदेश : स्वास्थ्य से शरीर मजबूत होता है, आत्मरक्षा से साहस बढ़ता है, अच्छे संस्कारों से व्यक्तित्व निखरता है और अध्यात्म से जीवन को सही दिशा मिलती है। स्वस्थ युवा, सशक्त बेटियां और एकजुट संस्कारवान समाज ही उज्ज्वल भविष्य की पहचान हैं।

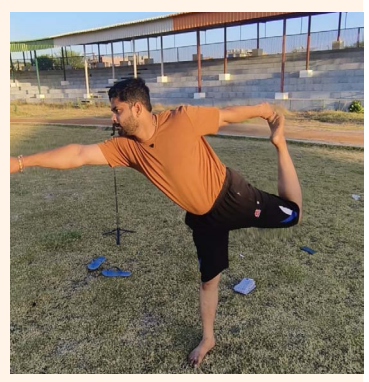

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929